

//-- सुविचार --//

हमेशा खुद का प्रथम श्रेणी का संस्करण बनें, न कि किसी और का द्वितीय श्रेणी का संस्करण।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:15

अस्त : 05:49

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	14.0
जमशेदपुर	33.0	17.0
हजारीबाग	31.0	14.0
डाल्टनगंज	33.0	14.0

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर 70 आतंकीयों को मारने का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमले में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस हमले में करीब 70 आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान के अंदर तीन इलाकों में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि मारे गए ज्यादातर आतंकवादी पाकिस्तान के नागरिक हैं।

यह लोग तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और दाश-खोरासान जैसे वैन संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान लंबे समय से आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। पाकिस्तान अपने नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने दशकों से लाखों अफगान शरणार्थियों को पनाह दी है और अपनी सुरक्षा और आर्थिक नीतियों का सामना करने के बावजूद अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दी है। चौधरी ने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार पर 2020 के दोहा समझौते के तहत अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी के इस माहंत इजरायल दौरे की संभावना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस माह के अंत में इजरायल की आधिकारिक यात्रा पर जाने की संभावना है। यदि यह दौरा संपन्न होता है तो पिछले नौ वर्षों में यह उनका दूसरा इजरायल दौरा होगा और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की ओर सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। सरकार के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने 4-6 जुलाई 2017 को इजरायल की ऐतिहासिक यात्रा की थी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली इजरायल यात्रा थी, जिसके दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया था। इसके बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जनवरी 2018 में भारत का दौरा किया था।

झारखंड नगर निकाय चुनाव: मारपीट और अव्यवस्था की कुछ शिकायतों के बीच 61 प्रतिशत से अधिक मतदान

48 नगर निकायों में 61 फीसदी मतदान

नवाप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में 48 नगर निकायों के लिए कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। राज्य निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार 61 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 7:00 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई और शाम 5:00 बजे तक 61.24 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। आयोग के मुताबिक सबसे अधिक सरायकेला नगर पंचायत के लिए 75.35 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि रांची नगर निगम के लिए सबसे कम 43.28 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट किया। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद मतदान प्रतिशत में थोड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

27 को मतगणना पर टिकी नजर

बहरहाल, मतदान संपन्न होने के बाद मेयर और अध्यक्ष पद के लिए 562 और वार्ड पार्षद के लिए 5,562 प्रत्याशियों की किस्मत



मतपेटियों में बंद हो गई है। अब सभी की नजर 27 फरवरी को होने वाली मतगणना पर टिकी है।

बोकारो में बवाल के दौरान डीएसपी प्रवीण सिंह घायल

मतदान के दौरान राज्य में कई स्थानों से मारपीट, बोगस वोटिंग, विवाद और अव्यवस्था की

शिकायतें सामने आती रहीं। बोकारो के चास क्षेत्र में एक बूथ पर हुए बवाल के दौरान पुलिस और प्रत्याशी के समर्थकों के बीच झड़प में डीएसपी प्रवीण सिंह घायल हो गए। यहां भोजपुर कॉलोनी में फर्जी मतदान के आरोप में तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया, जिससे कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही।

धनबाद में दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच मारपीट

धनबाद नगर निगम के वार्ड 27 स्थित एक मतदान केंद्र पर दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच मारपीट हुई, जबकि वार्ड 22 में बूथ लूटने के प्रयास और प्रत्याशी के भाई के साथ मारपीट की घटना सामने आई।

राष्ट्रपति 24 से 27 तक महाराष्ट्र, झारखंड, राजस्थान के दौरे पर



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 से 27 फरवरी तक महाराष्ट्र, झारखंड और राजस्थान के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह विभिन्न स्वास्थ्य, आध्यात्मिक और सैन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार 24 फरवरी को राष्ट्रपति मुंबई स्थित लोकभवन में पीडी हिंदुजा अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अभियान सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग्स अ हेल्दीवर भारत का उद्घाटन करेंगी। इस अभियान का उद्देश्य देशभर में स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा देना है। 25 फरवरी को राष्ट्रपति बुलढाणा जिले के शेगांव में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद उसी दिन वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित एकता और विश्वास के माध्यम से महाराष्ट्र का स्वर्णिम युग कार्यक्रम के राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह में भी भाग लेंगी। 26 फरवरी को राष्ट्रपति झारखंड के जमशेदपुर में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चैरिटेबल सेंटर ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री जगन्नाथ मंदिर के भूमि पूजन समारोह में सम्मिलित होंगी। इसके अतिरिक्त वह जमशेदपुर के मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज का भी दौरा करेंगी और वहां के विद्यार्थियों से बातचीत करेंगी।

गिरिडीह में दो पक्षों में विवाद, हिंसक रूप लिया

गिरिडीह के वार्ड 18 में दो पक्षों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पथराव और मारपीट के बाद सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

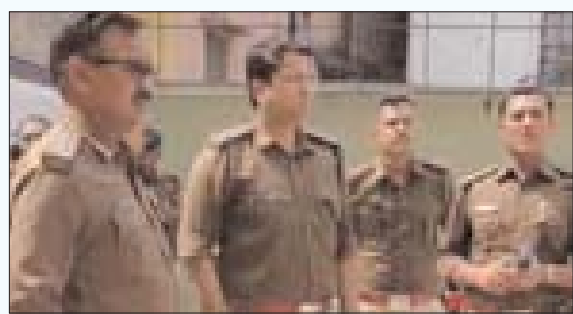
गुमला में दो गुटों के बीच विवाद

गुमला के अबेडकर नगर मतदान केंद्र पर भी दो गुटों के बीच विवाद बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया। जमशेदपुर के जुगसलाई क्षेत्र में फर्जी मतदान के आरोप को लेकर करीब एक घंटे मतदान बाधित रहा।

रांची के हिंदपीढ़ी में दो गुटों के बीच मारपीट

रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में भी दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। कई स्थानों पर मतदाताओं ने शिकायत की कि एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग बूथों पर दर्ज थे। कुछ मतदाताओं को बूथ बदलने की जानकारी समय पर नहीं मिली, जिससे वे एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक भटकते रहे।

चाकुलिया में सबसे अधिक 72.9 प्रतिशत वोट



जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में नगरपालिका चुनाव 2026 के तहत मानगो नगर निगम, जुगसलाई नगर परिषद और चाकुलिया नगर पंचायत में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। शाम 05 बजे तक जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चाकुलिया नगर पंचायत में सर्वाधिक 72.9 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि जुगसलाई नगर परिषद में 59.6 प्रतिशत और मानगो नगर निगम क्षेत्र में 50.7 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। खासकर चाकुलिया क्षेत्र में महिलाओं और पहली बार वोट देने वाले युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। जुगसलाई में भी दोपहर बाद मतदान प्रतिशत में तेजी आई। वहीं मानगो नगर निगम क्षेत्र में शहरी व्यस्तता और कामकाजी मतदाताओं की दिनचर्या के कारण अपेक्षाकृत कम मतदान दर्ज किया गया, हालांकि प्रशासन को उम्मीद है कि अंतिम आंकड़ों में प्रतिशत में आंशिक वृद्धि हो सकती है। जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती के साथ-साथ सवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए वेबकास्टिंग और माइक्रो ऑब्जर्वर की भी व्यवस्था की गई थी। कहीं से भी किसी बड़ी अग्रिम घटना की सूचना नहीं मिली है नगर निकाय चुनाव के तहत विभिन्न वार्डों में पार्षद पद के साथ-साथ अध्यक्ष और महापौर पद के लिए भी मतदान कराया गया। चुनाव परिणामों को लेकर प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है। मतगणना निर्धारित तिथि को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई जाएगी। इस चुनाव को स्थानीय विकास, जल निवेश, सड़क, सफाई व्यवस्था और शहरी सुविधाओं के मुद्दों से जोड़कर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय का निधन

71 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राजनीति में चाणक्य कहे जाने वाले वरिष्ठ राजनेता मुकुल रॉय का रविवार देररात निधन हो गया। उन्होंने 71 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। लंबे समय से किडनी सहित कई गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे मुकुल रॉय न्यू टाउन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से राज्य की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास के बाहर समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। अस्पताल से पार्थिव शरीर को घर लाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मुकुल रॉय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की। बाद में वह राज्य की सातारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। वह तृणमूल के संस्थापक सदस्यों में हैं। संभटन को खड़ा करने में उनकी रणनीतिक भूमिका के कारण उन्हें ह्राबंगाल की राजनीति का चाणक्यरूढ़ भी कहा जाता था। एक समय उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छाया कहा जाता था। उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी दायित्व निभाया और केंद्र सरकार में जहाजरांनी तथा रेल मंत्रालय की



जिम्मेदारी संभाली। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में कृष्णनगर उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की। हालांकि बाद में उन्होंने पुनः तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया, लेकिन विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। इस कारण वह औपचारिक रूप से भाजपा विधायक ही बने रहे। उन्हें विधानसभा की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया। उनके विधायक पद को लेकर विवाद अदालत तक पहुंचा। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सदस्यता खारिज करने का आदेश दिया था, लेकिन इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम स्थगन दे दिया। राजनीतिक उतार-चढ़ाव से भरे लंबे सार्वजनिक जीवन के बाद मुकुल रॉय ने अंततः एक विधायक के रूप में अपनी अंतिम यात्रा पूरी की। उनके निधन से पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक प्रभावशाली रणनीतिकार को खो दिया है।

हालीशहर शमशान में हुआ मुकुल रॉय का अंतिम संस्कार, अभिषेक रहे मौजूद

कोलकाता। वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय का अंतिम संस्कार सोमवार शाम उत्तर 24 परगना जिले के हालीशहर श्मशान घाट में कर दिया गया है। यह उनके आवास क्षेत्र बीजपुर से थोड़ी ही दूरी पर मौजूद है। यहां अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी मुकुल रॉय के बेटे शुभ्रांशु राय के साथ लगातार मौजूद रहे। वर्ष 2021 के कोविड काल की एक घटना सोमवार को एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई। उस समय अलग-अलग राजनीतिक दलों में होने के बावजूद वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों की झलक देखने को मिली थी। कोविड से स्वस्थ होने के कुछ ही समय बाद मुकुल रॉय की पत्नी कृष्णा रॉय गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थीं और उन्हें इंप्यु वाइफस के समीप एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूचना मिलते ही अभिषेक बनर्जी अस्पताल पहुंचे थे। उस दिन उनकी मुलाकात मुकुल रॉय से नहीं हो सकी थी, लेकिन उन्होंने उनके पुत्र शुभ्रांशु रॉय से बात कर परिवार को यह संदेश दिया था कि वे उनके साथ हैं।

मुकुल रॉय के निधन पर मधुकर सिंह ने दी श्रद्धांजलि



रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन पर वरिष्ठ जेदयू नेता सह तृणमूल कांग्रेस के पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मधुकर सिंह ने सोमवार को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने मुकुल रॉय की तस्वीर मीडिया को शेयर किया है। मधुकर सिंह ने कहा कि उन्हें भारत सरकार के पूर्व मंत्री, अनुभववी नेता मुकुल रॉय के निधन से बहुत दुख पहुंचा है। यह उनके लिए

व्यक्तिगत क्षति है। उन्होंने दयालु भगवान से उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और दुखी परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। बता दें कि वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय का रविवार देर रात निधन हो गया। उन्होंने 71 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। लंबे समय से वह किडनी सहित कई गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे थे।

अव्यवस्था

रांची निकाय चुनाव: भोजन और पानी के लिए भटके मतदानकर्मी

स्कूल की बेंच पर कटी मतदानकर्मियों की रात

नवाप्रदेश संवाददाता

रांची। रांची में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंच गई हैं। प्रशासन ने बेहतर और सुव्यवस्थित तैयारियों का दावा किया है, लेकिन जमीनी हकीकत कई जगहों पर इन दावों से अलग नजर आई। कुछ केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं दिखाईं, तो कई स्थानों पर मतदानकर्मियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ा।

स्कूल की बेंच पर कटी पूरी रात

वार्ड संख्या-18 स्थित राजक्रीय हिंदी



मध्य विद्यालय, थड़पखना में अव्यवस्था की तस्वीर सामने आई। यहां तैनात मतदानकर्मियों और पुलिस बल ने सुविधाओं की कमी पर नाराजी जताई। कर्मियों के अनुसार, केंद्र पर न तो सोने

के लिए गद्दे उपलब्ध कराए गए और न ही चादर की व्यवस्था थी। मच्छरों की अधिकता और स्वच्छ पेयजल की कमी ने परेशानी को और बढ़ा दिया। एक कमी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया

कि उन्हें पूरी रात स्कूल की बेंच पर ही गुजारनी पड़ी। उनका कहना था कि चुनाव जैसी महत्वपूर्ण दृष्टी में कम-से-कम बुनियादी सुविधाएं तो सुनिश्चित होनी चाहिए थीं।

भोजन और पानी के लिए भटकना पड़ा

सिर्फ ठहरने की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि भोजन की समस्या भी कई केंद्रों पर गंभीर रही। शहर के कुछ मतदान केंद्र ऐसे स्थानों पर हैं, जहां आसपास होटल या भोजनालय उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में कई पोलिंग पार्टियों को रात का भोजन जुटाने में कठिनाई हुई। कुछ कर्मियों ने स्थानीय दुकानों से बिस्किट और सूखे खाद्य पदार्थ खरीदकर काम चलाया। पीने के पानी की गुणवत्ता को लेकर भी असंतोष देखा गया। कई कर्मचारियों को अपनी जेब से पानी की बोतलें खरीदनी पड़ीं।

महिला बूथों पर भी चुनौतियां

मोरहाबादी स्थित रेडक्रॉस सेंटर में

सात महिला-संचालित बूथ बनाए गए हैं, जहां पूरी जिम्मेदारी महिला मतदानकर्मियों के हाथ में है। उत्साह के साथ पहुंचीं इन कर्मियों को भी प्रारंभिक अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और स्वयं ही केंद्र को व्यवस्थित करने में जुट गईं। सुबह करीब छह बजे से ही वे डिस्पैच सेंटर पहुंच गई थीं और सीमित संसाधनों के बीच अपनी जिम्मेदारी निभाने में लगी रहीं। नगर निकाय चुनाव जैसे लोकतांत्रिक पर्व में मतदानकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में यह जरूरी है कि प्रशासनिक स्तर पर सभी केंद्रों पर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कर्मी बिना किसी असुविधा के अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के 13 दक्षिणी जिलों में आज होगी हल्की वर्षा
रांची। झारखंड के 13 दक्षिणी जिलों में मंगलवार को गरज के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के दक्षिण-पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भाग के जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश होगी। संभावित जिलों में लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, रांची, खुर्दी, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आंशिक बादल छाए रहे। धूप के कारण गर्मी का एहसास हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान गुमला में 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री और न्यूनतम 14 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 33.8 डिग्री और न्यूनतम 18.8 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम 32.8 डिग्री और न्यूनतम 13.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 14.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.4 डिग्री और न्यूनतम 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले सुदेश महतो



रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद सुदेश महतो की यह पहली भेंट थी। इस अवसर पर सुदेश महतो ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगा। मुलाकात के दौरान झारखंड में राजग को सशक्त करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आसन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के बाद सुदेश महतो ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर लिखा कि राजग का संकल्प राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नवीन के नेतृत्व में राजग की एकता और अधिक सुदृढ़ होगी तथा जनसेवा और विकास की राजनीति को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

चुनाव

झारखंड नगर निकाय चुनाव के लिए अहले सुबह से ही शुरू हुआ मतदान

सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा की रही पुख्ता व्यवस्था

रांची। झारखंड नगर निकाय चुनाव के लिए सोमवार की सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया। झारखंड के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान शाम 5:00 तक चला। राज्य चुनाव आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि राज्य के 4307 मतदान केन्द्रों पर मतदान कराया गया। सभी जगह शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। इसमें 2134 संवेदनशील केंद्र और 896 अति संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। राज्य के सभी 48 नगर निकायों में शांतिपूर्ण मतदान की सूचना रही।

राज्य के नगर निकाय क्षेत्रों में पुरुष मतदाताओं की संख्या 22 11 781 और महिला मतदाताओं की संख्या



2131370 है। थर्ड जेंडर 144 मतदाता हैं। मेयर और अध्यक्ष पद के लिए 562 उम्मीदवार मैदान में हैं, वहीं 5562 उम्मीदवार वार्ड पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सभी 6124

उम्मीदवार का राजनीतिक भविष्य शाम पांच बजे 8608 मतपेटियों में फैल गया। इस बार राज्य के नौ नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायतों में चुनाव हुए। मेयर और

अध्यक्ष के 48 पदों तथा वार्ड पार्षद के 1042 पदों के लिए मतदान किया गया। वहीं 41 वार्ड पार्षद निर्विरोध चुने जा चुके हैं, जबकि तीन वार्डों में किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया।

मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। राज्य सरकार ने मतदान वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। मतगणना 27 फरवरी को होगी।

यह चुनाव गैरदलीय आधार पर हो रहा है, यानी उम्मीदवार किसी पार्टी के सिंबल पर नहीं बल्कि व्यक्तिगत तौर पर मैदान में हैं। मतदाता मेयर और पार्षद दोनों पदों के लिए वोट डालेंगे। मेयर के लिए गुलाबी रंग का बिलेट पेपर दिया जा रहा है, जबकि पार्षद के लिए सफेद रंग का बिलेट पेपर इस्तेमाल हो रहा है। खास बात यह है कि इस बार नोटा का विकल्प उपलब्ध नहीं है।

गुलाम मुस्तफा ने किया मतदान



रांची। भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के दौरान बूथ पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत और हार अपनी जगह होती है, लेकिन समाज में आपसी संबंध और सौहार्द बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रांची नगर निकाय चुनाव में सकारात्मक माहौल देखने को मिला है और चुनावी प्रतिस्पर्धा का व्यक्तिगत रिश्तों पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मतदान को लोकतांत्रिक कर्तव्य के रूप में देखना चाहिए। तभी स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा मजबूत होगी।

झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ का होली मिलन समारोह धूमधाम से मना



रांची। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह में गाना बजाना खाना पीना रंग गुलाल अबीर फूल माला एवं गमछ उड़ा कर सभी अतिथियों को सम्मानित एवं स्वागत किया गया समारोह का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी के नेतृत्व में समारोह मनाया गया और समारोह कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने किया और होली मिलन समारोह का मुख्य अतिथि के रूप में चतरा जिला के प्रफुल पांडे और अतिथि के रूप में और भी लोग उपस्थित साथी दिनेश सोनी ने यह भी बताया कि चतरा जिला का संगठन अधूरा था उसे संगठन को पूरा करने के लिए झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ चतरा जिला का अध्यक्ष विजय कुमार साहू को बनाया गया और संरक्षक के रूप में प्रफुल पांडे जी को मनोनीत किया गया और एक महीना का अध्यक्ष विजय कुमार साहू को समय दिया गया चतरा जिला का कमेटी बनाकर अपना सूची प्रदेश कार्यालय में देगे साथ ही साथ समारोह कार्यक्रम में उपस्थित महासंघ के सभी पदाधिकार ने उपस्थित सभी अतिथि एवं चालक को ढेर सारी शुभकामनाएं और बर्धाई प्रदेश पदाधिकारी ने दी आज के समारोह कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्य इस प्रकार से थे प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नागेन्द्र पांडे प्रदेश सचिव आकाश भारती रमाशंकर सिंह प्रदेश कोषाद अध्यक्ष भोला सिंह संगठन मंत्री अमर मुंडा रांची जिला ऑटो चालक यूनियन से जिला अध्यक्ष अर्जुन यादव वरीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे उपाध्यक्ष शैलेंद्र वर्मा सचिव सुरेंद्र प्रजापति बरियातू कांटा टोली ओरमांडी मार्ग सचिव एमडी जब्बार एवं सैकड़ों के संख्या में ऑटो चालक मालिक मिलन समारोह में शामिल हुए।

मतदाताओं के उत्साह ने मजबूत किया लोकतंत्र



रांची। राज्य के नगर निकाय चुनाव के अंतर्गत सोमवार को मतदान सम्पन्न हुआ। इसमें युवा ही नहीं बल्कि उद्गराज व दिव्यांग मतदाताओं ने भी बढ़चढ़कर उत्साह से हिस्सा लिया। जिन्होंने परिजनों के सहारे बूथों पर जाकर मतदान किया। शहर के युवा, महिलाएं, बुजुर्ग सहित सभी वर्गों के लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने घर से निकलकर मताधिकार का प्रयोग किया। कई बूथों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी लाइनें देखी गयीं। लोकतंत्र के पावन पर्व रूपी यज्ञ मतदान में अपनी आहुति देने को युवाओं में जहां इंतजार था। वहीं, अपने मत का प्रयोग करने वाले मतदाता बेहद उत्साहित नजर आ रहे थे।

मेरा वोट मेरा अधिकार: अरविंद उपाध्याय—मतदाता अरविंद उपाध्याय ने कहा कि मतदान हमारी जिम्मेदारी व अधिकार दोनों हैं। मेरा वोट मेरा अधिकार है। लोकतंत्र के इस चुनाव में आपको वोट ताकत है। लोकतंत्र की बेहतरी के लिए मतदान जरूरी है। मतदाता रश्मि उपाध्याय, विनोद प्रधान, आलोक रंजन ने कहा कि स्थानीय मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है।

सुबह सात बजे से पूर्व लगने लगी थी लाइन—सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ, लेकिन मतदाताओं का इससे पहले ही बूथों पर आना शुरू हो गया था। बूथों पर पुरुष व महिला मतदाता अपने-अपने हाथों में वाटर आईडी कार्ड लेकर खड़े थे। वहीं, प्रशासन की तैयारियों की बात करें तो मतदाताओं के लिए व्यवस्थाएं सुदृढ़ थीं। इस चुनाव में मेयर, अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के पदों पर खड़े प्रत्याशियों की किस्मत आज बिलेट बॉक्स में फैल गई होगी।

रांची में मेयर पद की भाजपा समर्थित उम्मीदवार रोशनी खलखो ने किया मतदान



रांची। रांची नगर निकाय चुनाव के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित मेयर पद की उम्मीदवार रोशनी खलखो ने भी सोमवार को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भाग लेना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने सभी मतदाताओं से शांतिपूर्ण और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। रोशनी खलखो ने उम्मीद जताई कि शहरवासी विकास और जनहित को ध्यान में रखते हुए सही प्रतिनिधि का चयन करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या दबाव से बचना चाहिए और मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी होनी चाहिए। इस अवसर पर उनके समर्थक और स्थानीय नागरिक भी मतदान केंद्र पर मौजूद रहे। मतदान के बाद उन्होंने उंगली पर लगी अभिमत स्याही दिखाकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए कुल 36 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने किया मतदान



रांची। नगर निकाय चुनाव के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने सेंट थॉमस स्थित बूथ नंबर 16 पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आम मतदाताओं की तरह पंक्ति में लगकर मतदान किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

गवर्नर-सीएम व दिग्गजों ने डाला वोट

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को उत्साह का माहौल देखने के मिला। राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में 43 लाख से अधिक मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का मौका मिला था। शहरी क्षेत्रों में लोकल सरकार चुनने को लेकर सुबह से विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतार देखने को मिली। इस दौरान महिला मतदाताओं में भी वोट को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने एटीआई में मतदान किया



राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, (एटीआई) रांची स्थित मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि मतदान लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं सशक्त अंग है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से स्वेच्छ और निष्पक्ष रूप से मतदान कर ऐसे जनप्रतिनिधियों का चयन करने का आग्रह किया, जो क्षेत्र, शहर एवं प्रदेश के समग्र विकास के प्रति संवेदनशील तथा प्रतिबद्ध हों।

सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने वोट किया



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मतदान के लिए सहजानंद चौक,हरमू स्थित संत कुलदीप उच्च विद्यालय मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने अपनी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं से निर्धारित

समय के अंदर मतदान करने की अपील की।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ परिवार के साथ वोट करने पहुंचे



रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ परिवार के साथ वोट करने पहुंचे। बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा- रांची शहर के विकास और प्रगति के लिए मैंने वोट डालकर अपने लोकतांत्रिक कर्तव्यों का निर्वहन किया। आप भी अपने बूथ तक पहुंचें और लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

सुबोध कांत और यशस्विनी सहाय ने संत थॉमस स्कूल में मतदान किया



कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय अपनी पुत्री यशस्विनी सहाय के साथ मतदान के लिए बूथ पर पहुंचे। दोनों ने रांची में संत थॉमस स्कूल स्थित बूथ पर मतदान किया।

सांसद दीपक प्रकाश ने वोट किया



भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने रांची के हरमू स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। बाद में उन्होंने कहा- लोकतंत्र का उत्सव – सपरिवार मतदान कर अपना कर्तव्य निभाया। आप सभी सम्मानित मतदाताओं से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं और राष्ट्रहित, विकास एवं जनसेवा के लिए समर्पित राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं को विजयी बनाएं। आपका एक-एक वोट क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

पूर्व मेयर रमा खलखो और डॉ. आशा लकड़ा ने किया मतदान

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम चुनाव के तहत सोमवार को पूर्व मेयर रमा खलखो और पूर्व मेयर एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। रमा खलखो ने रांची के लोथोला कॉन्वेंट स्कूल, हिन्नु (एयरपोर्ट रोड) स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। वहीं डॉ. आशा लकड़ा ने लालपुर स्थित वार्ड संख्या 10 के होली क्रॉस पब्लिक स्कूल, वर्धमान कंपाउंड के कक्ष संख्या 03 में बने बूथ पर मतदान किया। मतदान के बाद डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान कर उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। उन्होंने मतदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अपने अमूल्य वोट की ताकत को समझें और अपने मताधिकार का प्रयोग कर पारदर्शी एवं स्वच्छ प्रशासन, सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लें। नगर निगम चुनाव के तहत शहर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक जारी है और मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है।



संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर पलटने से चालक का मौत



सोनाहातू। थाना क्षेत्र के तेलवाडीह पंचायत के पारमजाडेया और एडरमहातू गांव के समीप पुलिया पर ट्रैक्टर पलटने से चालक का मौत हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार सोमवार दिन के 11 बजे के आसपास जाड़ेया की ओर से आ रही ट्रैक्टर पुलिया में असंतुलित होकर पलट गई। ट्रैक्टर पलटने से तत्काल चालक का मौत हो गया। चालक जाड़ेया गांव का 25 वर्षीय नीतीश कुमार महतो था ,जो ट्रैक्टर से गिट्टी ले जा रहा था। घटना की सूचना पर समाजसेवी राजेंद्र महतो, केलाश महतो, झामुमो प्रखंड सचिव छुट्टू सिंह मुंडा,सुभाष महतो घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस को सूचना देकर एम्बुलेंस की व्यवस्था किया। सूचना मिलते ही थाना से एसआई राकेश कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे। आवश्यक कारवाई के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक शादीशुदा है और एक बच्ची का पिता है। घटना के बाद परिजनों का रो कर बुरा हाल है।

बुढ़मू: 11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से 14 वर्षीय किशोर की मौत



बुढ़मू। बुढ़मू थाना क्षेत्र के नाउज पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां करंट की चपेट में आने से एक 14 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, नाउज पुतरी टोला निवासी सोनू लोहरा (पिता: सिकंदर लोहरा) दलुन तोड़ने के लिए पास के एक करंज के पेड़ पर चढ़ा था। इसी दौरान पेड़ के पास से गुजर रही 11,000 वोल्ट (हाई वोल्टेज) की नंगी तार की चपेट में वह आ गया। करंट का झटका इतना जोरदार था कि किशोर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर बुढ़मू पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। इस घटना के बाद से मौत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुतरी टोला गांव में इस हदयवहदारक घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से सुरक्षा मानकों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ आज करेंगे इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ शिविर का उद्घाटन

62 दिव्यांगों को लगेगा हाथ

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी पहल के तहत रोटरी क्लब ऑफ रांची द्वारा निशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन 24 फरवरी को रोटरी भवन, रांची में किया जाएगा। इस शिविर का उद्घाटन प्रातः 10.30 बजे मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। शिविर में लगभग 62 दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ लगाए जाएंगे। यह पूरी तरह निःशुल्क होगी।

क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर के लिए राज्यपाल संतोष गंगवार से भी मुलाकात करते हुए उनसे शिविर में पहुंचने का आग्रह किया गया है। राज्यपाल से मिलने वालों में अध्यक्ष के अलावा जशदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल, प्रवीण राजगढ़िया शामिल थे। असिस्टेंट गवर्नर रॉटरी इमेज



प्रवीण राजगढ़िया ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का उद्देश्य उन लोगों को आधुनिक

तकनीक की सहायता से नया जीवन देना है, जिन्होंने दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से अपना

हाथ खो दिया है। इस शिविर में झारखंड, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ से जरूरतमंद लोग पहुंच

पंचायत सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण, ग्राम सभा की ताकत पर जोर

मांडर : मांडर प्रखंड सभागार में पंचायती राज विभाग की ओर से आयोजित चार दिवसीय प्रखंड स्तरीय पंचायत सहायक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन का सत्र सोमवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में ग्राम सभा की भूमिका, उसकी शक्तियों तथा पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी गयी। मास्टर ट्रेनर पंकज ठाकुर ने बताया कि ग्राम सभा पंचायत व्यवस्था की आधारशिला है। यदि ग्राम सभा सशक्त होगी तो पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और विकास दोनों सुनिश्चित होंगे। उन्होंने योजनाओं की पहचान, प्रस्ताव तैयार करने, अनुमोदन प्रक्रिया एवं क्रियान्वयन की विधि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पंचायत सहायकों को रिकॉर्ड संधारण, योजनाओं



की मॉनिटरिंग तथा आमजनों की सहभागिता बढ़ाने के उपाय बताए। उन्होंने पंचायत सहायकों की भूमिका गांव को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड कोऑर्डिनेटर साजिद अंसारी, प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों ने ग्राम सभा को प्रभावी बनाने और योजनाओं के पारदर्शी संचालन को लेकर अपने अनुभव भी साझा किये। चार दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों एवं सहायकों को व्यवहारिक जानकारी देकर ग्रामीण विकास योजनाओं के बेहतर संचालन के लिए सक्षम बनाना है।

गौ की सेवा से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है : स्वामी विवेकानंदजी



श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ प्रारंभ परिक्रमा को जुटे श्रद्धालु

नवप्रदेश संवाददाता

रातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित मां काली मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन सोमवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु जुटे। अयोध्या से आए आचार्य स्वामी विवेकानंद जी महाराज जैसे ही कथा कहने के लिए बैठे श्रीकृष्ण नारायण की ध्वनि से पुरा पंडाल गुंज उठा। आचार्य ने आरती के बाद कथा प्रारंभ किया। स्वामी विवेकानंद जी महाराज ने कहा कि अब लोग सेवा के नाम से दुर हो रहे है। सभी को चाहिए कि गौ माता की सेवा करे गौ माता की सेवा से लक्ष्मी प्राप्त होती है। श्रीमद भागवत कथा कहते हुए आचार्य ने देवर्षि नारद व महर्षि व्यास की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तो की रक्षा अपने बच्चे की तरह करते है। भगवान आनंद के सिंधु है। जो दे से चले वही दुनिया है। उन्होंने जीवन-मृत्यु, सुख-दुख, हानि-लाभ,दिन- रात की बात कही। भगवान के जन्म लेने का मुख्य उद्देश्य मुलभुत शिक्षा देना बताया।



श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ प्रारंभ,श्रद्धालुओं ने की परिक्रमा – सोमवार से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ प्रारंभ हो गया। यज्ञ के प्रारंभ होते ही सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु यज्ञ मंडप के परिक्रमा के लिए पहुंचे। अवध से आए आचार्य शिवेंद्र जी, आचार्य शंकर दयाल जी, आचार्य शैलेंद्र शुक्ला जी,आचार्य सुनील तिवारी जी,आचार्य राजीव जी द्वारा विधि विधान पूर्वक यज्ञोपवित कार्य प्रारंभ किए। सुबह से चल रहे यज्ञ दोपहर तक जारी रहा। इस दौरान मुख्य यजमान सहित मंदिर समिति के सदस्य यज्ञ कार्य में जुटे रहे। **परिक्रमा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रो से पहुंच रहे श्रद्धालु** - मां काली मंदिर में यज्ञ को लेकर दुर- दुर से श्रद्धालु पहुंच रहे है। श्रद्धालुओं में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की संख्या ज्यादा है। काटमकुली, ठाकुरगांव से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि हम सभी अपने घर-परिवार की शांति की कामना से यज्ञ मंडप का परिक्रमा करने आए है। **बारिश ने खलल डाली** - जिस समय श्रीमद भागवत कथा चल रही थी उसी समय तेज गति से आंधी- बारिश शुरू हो गई। जिसके कारण व्यवस्था खराब हो गई। सभी लोग आंधी- पानी से बचने के लिए इधर- उधर भागते नजर आए। कुछ लोग कुर्सी उठा कर अपने सिर पर रखे हुए थे।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ नेताजी सुभाष महोत्सव



सोनाहातू। प्रखंड के तेलवाडीह पंचायत के डी मोड़ सुभाष चौक के समीप सोमवार को नेताजी सुभाष महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव के प्रारंभ में अतिथियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन फीता काटकर किया गया।रांची के यासीन मस्तान म्यूजिकल ग्रुप के साथ प्रसिद्ध नागपुरी गायक नीतिश कच्छप ,सुमन गुप्ता,चिंता देवी, अभिनाश नायक, मास्टर संजय और प्रसिद्ध डांसरों के द्वारा देर रात तक एक से बढ़कर एक नागपुरी गीत से दर्शक झूम उठे। महोत्सव में रामदुर्लभ सिंह मुंडा,भूतनाथ सिंह मुंडा,फणीभूषण सिंह मुंडा,परदेशी महतो, दीनबंधु सिंह मुंडा,संजय महतो, दिलेश्वर कोइरी,दलेल चन्द महतो,राजू महतो,कृष्णा महतो,अश्विनी महतो,दलगोविंद महतो, कुलपति कारजी, शिवनाथ मछुवा, रामजी साहू, विशेश्वर साहू, नरेश महतो, धनु नाग, भजोहरी महतो, रोहित महतो, मनबोध महतो, बाशुदेव महतो, आदि मौजूद थे।

नगर निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए सीख, झामुमो के लिए उपलब्धि होंगे : सुप्रियो



रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य की जनता ने नगर निकाय चुनाव में स्पष्ट संकेत दिया है। मतदाताओं ने सरकार की कार्य योजनाओं पर विश्वास जताया है और आने वाले नगर निगम चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए बड़ी सीख साबित होंगे, जबकि झामुमो के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। सुप्रियो भट्टाचार्य सोमवार को मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहरी निकाय चुनाव में सुबह सात बजे से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और देर शाम तक लोग मतदान के लिए कतार में खड़े रहे। उन्होंने अनुमान जताया कि इस बार मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के 49 प्रतिशत से अधिक रहने की संभावना है तथा अंतिम घंटे में मतदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने चुनाव के शांतिपूर्ण संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। साथ ही स्वीकार किया कि कुछ स्थानों पर बूथ केंद्रों में बदलाव के कारण प्रारंभिक भ्रम की स्थिति बनी, लेकिन समग्र रूप से मतदान शांतिपूर्ण रहा और किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली। उन्होंने कहा कि लोगों ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाते हुए बड़-बढ़कर मतदान किया।

राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोंटा : आदित्य साहू



रांची। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने राज्य के मतदाताओं,मतदान कर्मियों और निर्वाचन आयोग का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को झारखंड के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में संपन्न हुआ,जिसमें करीब 50 प्रतिशत मतदान हुए हैं। अंतिम सूचना आने तक यह प्रतिशत बढ़ेगा ही। श्री साहू सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि यह चुनाव भाजपा के आंदोलनों और न्यायालय के दबाव का परिणाम है। राज्य सरकार कभी भी निकाय चुनाव कराने के पक्ष में नहीं थी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोटने के लिए राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने हर कोशिश की। कहा कि पुलिस प्रशासन के सहारे चुनाव को प्रभावित करने के लिए राज्य सरकार ने हर हथकंडे अपनाए,जिसकी आशंका भाजपा ने पहले ही व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि एक तो 20 हजार से ज्यादा मतदान कर्मियों को मतदान से वंचित किया गया। पोस्टल बैलेट का कोई प्रावधान नहीं किया गया। वहीं जहां भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोट पड़ने की संभावना दिखाई दी,वहां पोलिंग परसेटज को कम करने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी तरह एक समुदाय विशेष के मतदाताओं के वोट प्रतिशत बढ़ाने में जुटा रहा। वहीं दूसरी ओर भागवा गमछा लगाकर वोट देने आए मतदाताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश से प्रशासन के सहयोग से बोगस मतदान कराने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। मैदिनीनगर के वार्ड नंबर 6 के बूथ संख्या 3 और 4 पर प्रशासन के सहयोग से बोगस वोटिंग कराया गया। इसी क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 के बूथ संख्या 2 और 3 पर पोलिंग एजेंट को बाहर कर बोगस कराया गया। गढ़वा के वार्ड नंबर 20 में झामुमो समर्थित प्रत्याशी के पति के द्वारा भाजपा समर्थित वोटरों को भागया गया। गिरिडीह में एक वर्ग विशेष के लोग खुलेआम हथियार लेकर घूमते हुए मतदाताओं को जांच में दोहरा मापदंड अपनाया गया। मुस्लिम मतदाताओं को अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान लगभग 50 लोगों के साथ हथियार मतदाताओं को धमकाया। साहेबगंज में व्यापारी वर्ग के मतदाताओं को सत्ताधारी दल के कार्यकताओं के द्वारा धमकी दी गई।जमशेदपुर में अपराधियों के द्वारा खुलेआम महिला मतदाताओं को धमकाया गया। गालियां दी गईं। चक्रधरपुर में झामुमो समर्थित प्रत्याशी द्वारा वोटरों के बीच नोट बांटे गए। यही हाल चाकुलिया में हुआ। सत्ताधारी नेताओं के द्वारा पैसे बांटे गए। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि पुलिस प्रशासन के सहारे राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने निकाय चुनाव को पूरी तरह प्रभावित करने की कोशिश की गई। जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया। मतदाता सूची ने व्यापक गड़बड़ी की गई। मतदाताओं के बूथ बड़ी संख्या में उनके घरों से कई किलोमीटर दूर कर दिए गए। उन्होंने कहा कि वोटर आईडी की जांच में दोहरा मापदंड अपनाया गया। मुस्लिम मतदाताओं को बिना आईडी जांच के वोट देने दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन को एकतरफा झुकाव का परिणाम है कि एक प्रत्याशी रिकू सिंह को धरने पर बैठने तक की नौबत आ गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मतगणना को भी प्रभावित करने की साजिश रची है। मेयर और वार्ड पार्षदों केलिए एक ही बक्से में वोट डाले गए हैं।इससे स्पष्ट हो गया है कि राज्य सरकार ने लोकतंत्र का गला घोटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। लेकिन जनता जनार्दन का आशीर्वाद और प्यार सर्वोपरी है। उन्होंने कहा कि जनता ने आज के मतदान में राज्य सरकार के कुत्सित प्रयासों को चोट पहुंचाया है। उन्होंने राज्य की जनता,मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जो रिपोर्ट कार्यकताओं के द्वारा मिली है, उससे जनता का रुझान पूरी तरह भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में दिखाई दिया है। भाजपा समर्थित अधिकांश उम्मीदवारों की जीत निकाय चुनाव में सुनिश्चित है। साहू ने सभी कार्यकताओं,राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व को आभार प्रकट किया जिन्होंने पार्टी समर्थित उम्मीदवारों की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए कठिन परिश्रम किया। प्रेसवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक उपस्थित थे।

सरहुल पूजा संचालन समिति रातू की बैठक संपन्न

आदित्य तिर्की बने सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष

नवप्रदेश संवाददाता

रातू। सरहुल पूजा संचालन समिति रातू की बैठक रविवार को सरना टोंगरी में आयोजित की गई। बैठक में सरहुल पूजा समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरहुल पूजा को देखते हुए नई संचालन समिति का गठन करना था जो 15 फरवरी को भंग की गई थी। बैठक में काफी विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से नई समिति का गठन किया गया। जिसमें आदित्य तिर्की को सरहुल पूजा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावे उषा तिर्की,मुन्ना तिर्की, नमिता उरांव, प्रदीप उरांव,अनुप उरांव एवं विक्रम उरांव को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं सचिव में रीना उरांव, अनिल उरांव, पवन उरांव सहित चार अन्य का चयन किया गया। इसके अलावे सरहुल पूजा समिति केकेंद्रीय समिति में महासचिव विश्वनाथ उरांव,



कोषाध्यक्ष छोटु उरांव, उपकोषाध्यक्ष पवन उरांव का चयन किया गया। आदित्य तिर्की के अध्यक्ष बनने पर सरहुल पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष अमर उरांव ने आदित्य तिर्की को बधाई दी। पूर्व अध्यक्ष अमर उरांव ने कहा कि समाज की एकता और लोकतांत्रिक परंपरा को बनाए रखने के लिए समय-समय पर समिति का पुनर्गठन आवश्यक है। उन्होंने सभी

सामाजिक अगुवाओं और उपस्थित जनों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा आने वाले समय में भी समाजहित में सक्रिय रहने की बात कही। वहीं आदित्य तिर्की ने कहा कि सरहुल पूजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। इसे संगठित और सशक्त रूप से आगे

बढ़ाने की जिम्मेदारी मेरी है जिसे पूरे समाज के साथ मिलकर आगे बढ़ाना है। बैठक में मुख्य रूप से डॉ लक्ष्मण उरांव, चारे भगत, हुसे उरांव, अशोक तिर्की, कृष्णा उरांव,संदीप लकड़ा,जीतेश्वर मुंडा,शामु टोप्पो,कृष्णा गोप सहित सैकड़ों की संख्या में सामाजिक अगुवा, बुद्धिजीवी,युवा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

घाघरा- शादी समारोह से लौट रहे दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत



नवप्रदेश/घाघरा। थाना क्षेत्र अंतर्गत पौड़ी सरना गांव के समीप मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पौड़ी गांव निवासी लगभग 20 वर्षीय दीपक खेरवार्म एवं 19 वर्षीय अजीत उरांव के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक मोटरसाइकिल से आदर गांव एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से लौटने के दौरान पौड़ी सरना गांव के पास किसी अज्ञात वाहन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह एवं एएसआई गणेश दास पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों शवों को कब्जे में लेकर घाघरा थाना लाया गया। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। हादसे के समय घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नहीं था। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान एवं दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस हर पहलु से मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

दो अलग-अलग स्थानों में कुआं से शव बरामद

नवप्रदेश/गुमला: जिले के दो अलग-अलग स्थानों में कुआं से शव मिलने की घटना सामने आया है। पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के आंजन गांव की है, जहां गांव की 66 वर्षीय कैकई देवी 21 फरवरी से लापता थीं। रविवार की रात्रि को गांव के हुरहुरिया के समीप एक कुआं से उनका शव बरामद किया गया। घटना की जानकारी देते हुए मृतका के पुत्र सुरेश चिक बड़इक ने बताया कि उसकी मां 21 फरवरी को मवेशी चराने के लिए घर से निकली थीं, जिसके बाद से वह लापता हो गईं थीं और काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चल पाया। वहीं दूसरी घटना सिलाफारी के समीप की है, जहां सुरेश साहू के कुआं से 18 फरवरी से लापता 16 वर्षीय कमलदेव मुंडा का शव मिला। मृतक घाघरा प्रखंड के कसपोंड़िया गांव का निवासी था, लेकिन कुछ समय से वह सिलाफारी में अपने जीजा छोटैराम मुंडा के घर रह रहा था। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

चास बाजार समिति में रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का डीसी ने किया निरीक्षण सुश्र्क्षित संधारण पर विशेष जोर



नवप्रदेश/बोकारो। नगरपालिका आम निर्वाचन की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम चास स्थित बाजार समिति परिसर में बनाए गए रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीईओ सह डीसी अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजुमदार तथा अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों-कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) की रिसिविंग प्रक्रिया की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीठासीन पदाधिकारियों द्वारा जमा किए जाने वाले सभी प्रपत्र एवं इनवेलप निर्धारित सुरक्षित बक्सों एवं बोर्डों में सही तरीके से रखे जाएं, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या अव्यवस्था न हो। अधिकारियों ने कहा कि बैलेट बॉक्स को स्ट्रंग रूम में सुरक्षित रखा जाए, स्टैच्यूटरी बॉक्स को निर्धारित सुरक्षित बक्सों में तथा नॉन-स्टैच्यूटरी सामग्री को अलग निर्धारित स्थान पर रखा जाए। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीईओ सह डीसी ने कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदान कर्मी पूरे दिन की ड्यूटी के बाद थके हुए पहुंचेंगे। ऐसे में रिसिविंग सेंटर पर उनके साथ शालीन एवं सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। उन्होंने चाय-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। रिसिविंग कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आज की प्रक्रिया सुव्यवस्थित रहेगी तो मतगणना के दिन कार्य और अधिक सरल होगा। सभी कर्मियों को धैर्य एवं जिम्मेदारी के साथ निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों को भी निर्देश दिया गया कि वे रिसिविंग प्रक्रिया में तैनात कर्मियों एवं पीठासीन पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग सुनिश्चित करें।

रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का डीसी ने किया निरीक्षण



नवप्रदेश/बोकारो। नगरपालिका चुनाव की गिनती की तैयारियों को लेकर सोमवार को चास स्थित बाजार समिति परिसर में बनाए गए रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजुमदार और अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों-कर्मियों को जरूरी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) की रिसिविंग प्रक्रिया की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीठासीन पदाधिकारियों की ओर से जमा किए जाने वाले सभी प्रपत्र और इनवेलप निर्धारित सुरक्षित बक्सों में सही तरीके से रखे जाएं, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या अव्यवस्था न हो। अधिकारियों ने कहा कि बैलेट बॉक्स को स्ट्रंग रूम में सुरक्षित रखा जाए, स्टैच्यूटरी बॉक्स को निर्धारित सुरक्षित बक्सों में और नॉन-स्टैच्यूटरी सामग्री को अलग निर्धारित स्थान पर रखा जाए। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीसी ने कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद पीठासीन पदाधिकारी और मतदान कर्मी पूरे दिन की ड्यूटी के बाद थके हुए पहुंचेंगे। ऐसे में रिसिविंग सेंटर पर उनके साथ शालीन और सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। उन्होंने चाय-पानी की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। रिसिविंग कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आज की प्रक्रिया सुव्यवस्थित रहेगी तो मतगणना के दिन कार्य अधिक सरल होगा। सभी कर्मियों को धैर्य और

छिटपुट घटनाओं के बीच नगर निकाय चुनाव संपन्न चास में 49.76% व फुसरो में 58.37% मतदान

नवप्रदेश/बोकारो। नगर निकाय आम चुनाव जिले में छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। प्रशासनिक सतर्कता के बीच चास नगर निगम में 49.76 प्रतिशत तथा फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 58.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 2 और वार्ड 12 में मतदान के दौरान हंगामे की सूचना मिली। वहीं वार्ड 32 के एक बूथ पर स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब ड्यूटी पर तैनात एसडीपीओ प्रवीण सिंह पर हमला



रायडीह में पंचायत सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू



नवप्रदेश/गुमला। झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय पंचायत सहायकों के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण 23 फरवरी से 26 फरवरी 2026 तक प्रखंड सभागा, रायडीह में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत सहायकों को सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अभिलेख संधारण, ऑनलाइन पोर्टल संचालन तथा पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों के प्रति दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण में विभिन्न पंचायतों से आए सहायकों को योजनाओं की जानकारी, वित्तीय प्रबंधन, रीपोर्टिंग प्रणाली और पारदर्शिता से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा पंचायत सहायकों को व्यवहारिक जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में योजनाओं का सही और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकें। प्रखंड प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से पंचायत स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा और आम जनता को योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से मिल सकेगा। इस मौके पर ट्रेनर निकोलस सुरीन,मुखिया चुंया कुजूर, मार्था एक्का, किरण बिलुंग, तबीता तिकी, कंता एक्का, पंचायत सचिव दिगंबर ओहदार, आराधना कुमारी, पंचायत सहायक सतीश कुमार, संजय मिंज, मो.वारिस, सुमित प्रसाद, जीतु बड़ईक और अन्य मौजूद थे।

अपराधियों ने झपटकर गरीब महिला के पास बैग लेकर फरार



नवप्रदेश/चतरोचट्टी। गोमिया प्रखंड क्षेत्र में अपराधियों के हैसले बुलवंत नजर आ रहे हैं। अपराधियों में अब पुलिस प्रशासन का भय नहीं रह गया है।वही वजह है कि सोमवार को बैंक से एक लाख दस हजार रुपये की निकासी कर घर जा रही महिला के रुपये से भरे थैले को छीनकर झपटकर फरार हो गया। मामले की लिखित जानकारी गोमिया थाना में देकर पोंडित्ता ने कार्रवाई की मांग की है। चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के छोटकीसिधावा गांव निवासी फोगनी देवी ने बैंक

नगर निकाय चुनाव : चाकुलिया में सबसे अधिक 72.9 प्रतिशत मतदान

पूर्वी सिंहभूम। जिले में नगरपालिका चुनाव 2026 के तहत मतगणना नगर निगम, जुगसलाई नगर परिषद और चाकुलिया नगर पंचायत में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। शाम 05 बजे तक जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चाकुलिया नगर पंचायत में सर्वाधिक 72.9 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि जुगसलाई नगर परिषद में 59.6 प्रतिशत और मानगो नगर निगम क्षेत्र में 50.7 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। खासकर चाकुलिया क्षेत्र में महिलाओं और पहले बार वोट देने वाले युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। जुगसलाई में भी

दोपहर बाद मतदान प्रतिशत में तेजी आई। वहीं मानगो नगर निगम क्षेत्र में शहरी व्यस्तता और कामकाजी मतदाताओं की दिनचर्या के कारण अपेक्षाकृत कम मतदान दर्ज किया गया, हालांकि प्रशासन को उम्मीद है कि अंतिम आंकड़ों में प्रतिशत में आंशिक वृद्धि हो सकती है। जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती के साथ-साथ संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए वेबकास्टिंग और माइक्रो ऑब्जर्वर की भी व्यवस्था की गई थी। कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

अध्यक्ष पद के लिए नौ प्रत्याशियों के बीच हुआ महा मुकाबला लगभग 60 फीसदी हुआ मतदान

भाजपा समर्थित शकुंतला उरांव,कांग्रेस समर्थित सीता देवी और झामुमो समर्थित हर्षिता टोणो के बीच है दिखाई दिया कांटे की टक्कर

ज्योति कुजूर रामेश्वरी उरांव व शिमला कुमारी बिगाड़ सकती है चुनावी परिणाम

गुमला : गुमला नगर निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में कुल नौ प्रत्याशी का भविष्य वैलिड बॉक्स में बंद हो चुका है अब इनका परिणाम 27 फरवरी को

सामने आएगा। सभी प्रत्याशी अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते देखे गए वैसे सभी अपने-अपने जीत के दावे करते नजर आए। अब देखना दिलचस्प होगा किसकी नसीब में किताना मत उनके समर्थकों ने अपना समर्थन दिया है, इसका निर्णय 27 फरवरी को होगा अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा समर्थित शकुंतला उरांव, कांग्रेस समर्थित सीता देवी और झामुमो समर्थित हर्षिता टोणों के बीच मुख्य मुकाबला देखा गया। इसमें दो प्रत्याशी रामेश्वरी उरांव व ब्रिजित



क्रांति टोणो भाजपा मतों में सेंधमारी करते नजर आए है। ये दोनो प्रत्याशी चुनाव भले ही जीतने की स्थिति में नहीं हैं लेकिन गणित बिगड़ने में सफल हो सकते हैं इसके बावजूद शकुंतला उरांव की स्थिति सबसे बेहतर मानी जा रही है। पिछले चुनाव में भाजपा समर्थित राजू कच्छप महज करीब 190 मतों

के अंतर से अध्यक्ष पद का चुनाव हार गये थे। इसी चुनाव में शकुंतला उरांव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में दो हजार से अधिक वोट लाई थी। यदि दोनो मतों को मिला दिया जाए तो इस चुनाव में वे जीत के सबसे प्रबल दावेदार के रूप में उभर सकती है। वहीं कांग्रेस के समर्थन से चुनाव लड़ रही सीता देवी को

कर दिया गया। हमले में उनके नाक पर चोट लगी। घायल एसडीपीओ का चास के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। घटना के संबंध में वार्ड प्रत्याशी रेखा देवी के पति रामाशंकर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रत्याशी रेखा देवी ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोग बूथ में घुसकर फर्जी मतदान कर रहे थे। इसकी शिकायत संबंधित पदाधिकारी से की गई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया। वहीं पुलिस अधीक्षक हरविंदर

सिंह ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा जबरन गलत व्यक्तियों को बूथ में प्रवेश कराने और मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा था। एसडीपीओ द्वारा रोकने पर उन पर हमला कर दिया गया। मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की मुस्तैदी के बीच मतदान प्रक्रिया पूर्ण हुई और सभी मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच रिसिविंग सेंटर पहुंचाया गया। अब मतगणना की तैयारी शुरू कर दी गई है।

उपरघाट का बेटा बना GST इंस्पेक्टर, जिप सदस्य कुमारी खुशबू एवं ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

नवप्रदेश/नावाडीह। प्रखंड अंतर्गत कंजकिरो पंचायत के करेकसर गांव निवासी पप्पू राय चौधरी के बड़े सुपुत्र विकास राय चौधरी ने अपने मेहनत लग्न और संघर्ष से बड़े मुकाम हासिल कर उपरघाट का नाम रोशन किया है। विकास राय चौधरी ने अपने ही गांव के सरकारी स्कूल मध्य विद्यालय कंजकिरो में प्राथमिकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद गांव के ही स्कूल कपूर्नी उच्च विद्यालय से मैट्रिक की और सिटी कॉलेज बोकारो स्टील से इंटर और ग्रेजवेशन कर नौकरी की तैयारी में लगे रहे और इस प्रकार अपने कड़े मेहनत और लग्न संघर्ष से श्रद्ध इंस्पेक्टर बनकर अपना मुकाम हासिल किए विकास राय चौधरी ने यह मुकाम वर्ष 2025 में ही पूरा कर लिए और एक वर्ष



तक ट्रेनिंग लेने के बाद बैंगलोर जॉन में श्रद्ध इंस्पेक्टर का प्रभार लेकर पहली बार सोमवार दोपहर अपने पैतृक गांव लौटे जिसमें उनके माता सुर्नीता देवी, भाई आकाश चौधरी , टिकू चौधरी ,बहन प्याल चौधरी और वर्षा चौधरी ने स्वागत की तैयारी किए और क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य कुमारी खुशबू

महतो एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर पूरे धूम धाम से गाजे बाजे के साथ स्वागत कर कंजकिरो बस्ती में पदयात्रा किया गया इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य कुमारी खुशबू महतो ने कहा कि विकास राय चौधरी ने क्षेत्र का नाम रोशन करने के साथ साथ युवाओं को एक

ऐ मूर्ख इंसान मत रो यहाँ, सबों का आना-जाना है...

होली मिलन सह काव्य गोष्ठी में दिखा साहित्य, संवेदना और राष्ट्रभाव का संगम

नवप्रदेश/संवाददाता/बोकारो: भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में होली मिलन सह काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस साहित्यिक समागम में साहित्य, संवेदना और राष्ट्रभाव के विविध रंग एक साथ देखने को मिले, जिससे पूरा वातावरण बौद्धिक और सांस्कृतिक ऊर्जा से भर उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ गीता गुप्ताख द्वारा प्रस्तुत सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने पूरे सभागार को भक्तिमय कर दिया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि बुधिनाथ झा थे, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ कवि एवं लेखक सुखंदन सिंह 'सदय' ने की। मंच पर का कुशल मिलने के बाद पुलिस की सूचना दी गयी बताया जाता है कि आवास योजना की राशि का निकासी कर महिला बैंक से निकल रही थी। पुलिस के द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज से खंगालने की प्रयास की जा रही है जस्टद ही मामले का उद्घेदन कर लिया जायेगा।



गुप्प ने ग्रिय तुम अफसोस मत करना के माध्यम से भावनात्मक वातावरण रचा। झारखंड दर्शन के संपादक विनय कुमार तिवारी ने अपनी रचना ऐ मूर्ख इंसान मत रो यहाँ, सबों का आना-जाना है सुनाकर जीवन की नखरता का बोध कराया, जबकि डॉ. मनोज कुमार सिंह की गजल हर मंजर यूँ तो उम्र भी सुनहरा नहीं रहता को खूब सराहना मिली। कस्तूरी सिन्हा ने अपनी रूहानी कविता जब पिया नहीं मेरे गाँव में के जरिए वसंत के आगमन का एहसास कराया। अध्यक्षीय संबोधन से पूर्व सुखंदन सिंह सदय ने अपनी रचना मौसम है गुलाबी के माध्यम से होली के रंगों को शब्दों में साकार कर दिया। डॉ. नरेंद्र राय की कविता भारत का

लिव इन रिलेशनशिप में रहने वालों 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

नवप्रदेश/गुमला मुख्यालय से 2 किलोमीटर दूर तेलगांव गांव में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 101 जोड़ियों का शादी हुआ। कार्यक्रम में ऐसे लोगों की शादी कराई जा रही थी जो लंबेसमय से रिलेशनशिप में रह रहे थे।लेकिन आर्थिक या अन्य किसी अन्य कारण से उनका शादी नहीं हो पाया था। ऐसे लोगों का विवाह का बीड़ा एक समाज सेवी जगनाथ उरांव ने उठाया। जो पेशे से पुलिस पदाधिकारी रह चुके हैं और रिटायरमेंट के बाद के इस तरह के सामाजिक कार्य में लगे हुए हैं। प्रत्येक वर्ष वे 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह करवाते हैं। समाज में अभी कई परिवार है जो आर्थिक कारण से या या अन्य कारणों से



शादी नहीं कर पाए थे और उनका सामाजिक स्तर से वह पहचान नहीं मिल पाया था। साथ ही साथ सम्मान नहीं हो पाता था। जिसके कारण अपने बच्चों की भी शादी विवाह में भी समस्या आने की आशंका रहती है। जगनाथ उरांव के द्वारा ऐसे

आशीर्वाद दिया गया और सभी ने इस तरह के कार्य की प्रशंसा करते नजर आए कार्यक्रम में आदिवासी और सदान समाज दोनों वर्ग के लोग थे। हजारों की संख्या में भीड़ थी। पारंपरिक रीति रिवाज के साथ विवाह कराया गया। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य और बुद्धिजीवी लोग भी पहुंचे हुए थे। जिन्होंने इस कार्यक्रम का समर्थन किया और बताया कि यह एक बहुत ही बेहतरीन पहल है और इससे समाज को एक दिशा मिल रही है।कई ऐसे लोग हैं जो आर्थिक तंगी के कारण शादी नहीं कर पा रहे थे। रिलेशनशिप में रह रहे थे। इस तरह की शादी से उनको एक पहचान मिल रही है।ऐसे लोगों के लिए सामूहिक विवाह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है।

लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों का सामूहिक मूह विवाह कराया गया। जिसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही यह कार्यक्रम निरंतर कई सालों से चलाया जा रहा है इस शादी समारोह में हजारों की संख्या में वर वधू को शामिल होकर

कांग्रेस समर्थक मतदाताओं का समर्थन जैसा मिलना चाहिए वैसा नहीं देखा गया । नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सह कांग्रेस के दिग्गज नेता दीप नारायण उरांव की भाभी शिमला कुमारी के मैदान में रहने से कांग्रेस समर्थक मतदाताओं में बिखराव से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं झामुमो समर्थक हर्षिता टोणो की स्थिति बेहतर मानी जा रही है। मगर निर्दलीय प्रत्याशी ज्योति कुजूर भी कई वार्डों में बेहतर स्थिति इस चुनाव में नजर आई चुनाव के बाद लोग यहां तक कह रहें हैं कि ज्योति

कुजूर इस दौड़ में जैक पॉट साबित हो सकती है। अध्यक्ष पद की अन्य उम्मीदवार यथा जसमुनी लुगुन,मधु मेरिना लकड़ा भी मुकाबले में आने के लिए जी तोड़ प्रयास करती दिखाई दीं बहरहाल अब सब की नज़र 27 तारीख के परिणाम का बेसब्री से इंतजार है इस चुनाव को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह चुस्त दुरुस्त नजर आए उपयुक्त और पुलिस अधीक्षक अनुमंडल पदाधिकारी समेत जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी सभी चुनाव सेंट्रों पर पेनी नजर रखे हुए थे

संपादकीय



सोशल मीडिया पर नियंत्रण जरूरी

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आधुनिक जीवन की दिशा ही बदल दी है। आज का बच्चा जन्म से ही डिजिटल दुनिया से परिचित हो जाता है। मोबाइल, टैबलेट और सोशल मीडिया उसके दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। ज्ञान, सूचना और रचनात्मकता के अनेक अवसर उपलब्ध कराने वाले ये साधन जहां एक ओर नई संभावनाओं के द्वार खोलते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों की स्वतंत्रता को धीरे-धीरे स्वच्छंदता में बदलते भी दिखाई दे रहे हैं। भारतीय संस्कृति संदेव संयम, मर्यादा और सामूहिकता पर आधारित रही है। परिवार, समाज और परंपराओं के माध्यम से बच्चों को संस्कार दिए जाते थे। किंतु आज सोशल मीडिया के अनियंत्रित कंटेंट इन मूल्यों को चुनौती दे रहे हैं। बिना किसी आयु-सीमा के उपलब्ध वीडियो, वेब सीरीज, गेम और रील्स बच्चों के मन-मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं। आभासी दुनिया में दिखावा जाने वाला दिखावटी जीवन, त्वरित प्रसिद्धि और भौतिक सफलता का आकर्षण बच्चों को वास्तविक जीवन से दूर कर रहा है। परिणामस्वरूप वे धैर्य, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुणों से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया का एक बड़ा दुष्परिणाम यह है कि यह सोशल कम और अनसोशल अधिक बनता जा रहा है। बच्चे घंटों स्क्रीन पर समय बिताते हैं, लेकिन परिवार के साथ संवाद घटता जा रहा है। मित्रता का अर्थ अब लाइक और फॉलोअर्स तक सीमित होता जा रहा है। वास्तविक संबंधों की जगह आभासी संबंध ले रहे हैं। इससे अकेलापन, अवसाद और आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि सोशल मीडिया के लिए स्पष्ट और प्रभावी गाइडलाइन तैयार की जाए। सरकार को चाहिए कि बच्चों के लिए उपलब्ध कंटेंट पर सख्त निगरानी रखे, आयु-आधारित फिल्टर अनिवार्य करे और आपत्तिजनक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करे। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए ताकि बच्चे सही और गलत कंटेंट में अंतर समझ सकें। माता-पिता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों को पूरी तरह रोक देना समाधान नहीं है, बल्कि संतुलित उपयोग सिखाना जरूरी है। घर में स्क्रीन टाइम की सीमा तय की जानी चाहिए और पारिवारिक संवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यदि बचपन से ही बच्चों को तकनीक के सदुपयोग की शिक्षा दी जाए तो वे डिजिटल दुनिया का लाभ उठाते हुए भी अपने संस्कारों और मूल्यों को बनाए रख सकते हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि तकनीक स्वयं में न तो पूरी तरह अच्छी है, न बुरी। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। यदि सोशल मीडिया की सीमाएं तय की जाएं और बच्चों को नैतिक मूल्यों के साथ डिजिटल अनुशासन सिखाया जाए, तो वे जिम्मेदार और संस्कारी नागरिक बन सकते हैं। अंततः, इंटरनेट के इस युग में स्वतंत्रता और स्वच्छंदता के बीच की रेखा को पहचानना आवश्यक है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सोशल मीडिया की सीमा तय करना और उचित बॉर्डरें लगाना समय की मांग है, ताकि हमारी संस्कृति, समाज और आने वाली पीढ़ी सुरक्षित और सशक्त रह सके।

सुधा

दिल्ली सरकार का एक साल

मनोज कुमार मिश्र

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की टोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आरूपान आरोप्य मंदिर (डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की टोस बुनियाद रखी गई है। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियां का पहाड़ खड़ा हैं। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा। वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात लाख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात की करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसें को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीजेंट ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अप्रोड किया गया है। नौ पर काम चल रहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है। साल 1993 में दिल्ली में प्र प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई टोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राख्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिभार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना।



दीपक कुमार द्विवेदी

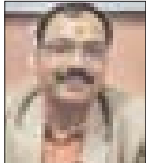
कुछ मिशनरी लेखनों और बाद में वामपंथी इतिहासकारों ने यह प्रतिपादित किया कि बौद्ध मत सामाजिक विद्रोह था और वैदिक परंपरा दमनकारी। इससे दार्शनिक निरंतरता को खंडित दिखाया गया और बुद्ध को एक वैकल्पिक नैतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी बौद्धिक प्रवृत्तियों में बुद्ध के प्रति जो विशेष आकर्षण दिखाई देता है, उसे केवल आध्यात्मिक या नैतिक कारणों से समझना पर्याप्त नहीं है। यह आकर्षण एक बड़े बौद्धिक परिप्रेक्ष्य में खड़ा है—सृष्टि की अवधारणा, काल-दृष्टि, इतिहास-लेखन की पद्धति, औपनिवेशिक विमर्श और आधुनिक वैचारिक राजनीति के संदर्भ में। इस प्रश्न को भावनात्मक प्रतिक्रिया की बजाय तर्क और संदर्भ के साथ देखना आवश्यक है। सबसे पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि बौद्ध मत को सनातन वैदिक धर्म से पृथक् या विरोधी धारा के रूप में प्रस्तुत करना ऐतिहासिक रूप से संतुलित दृष्टि नहीं है। गौतम बुद्ध उस संस्कृतिक और दार्शनिक वातावरण में प्रकट हुए जहां उपनिषदों में आत्मा, ब्रह्म, कर्म और पुनर्जन्म पर गहन विमर्श पहले से चल रहा था। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छंदोग्य उपनिषद ह्रूतत्वमसिंह का उद्धोष करता है। ब्राह्मवैदाता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है।



कैलाश चन्द्र

जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।



डॉ मन्यक चतुर्वेदी

अमेरिका और भारत के बीच पौवस सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

वोक संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन व समाज पर खतरा

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

आकर्षक शब्दों की आड़ में बड़ी कार्यक्रमों की संख्या

पिछले वर्षों में वोक और प्रगतिशील जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कला और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप किस (2022) और कुचुर (द इच) जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निदेशक वरुण ग़ोएर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श



की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक माक्संववाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करती हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों का शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता

है। किस (2022) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और कुचुर (द इच) में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए।

कामना व संयम का संतुलन

भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है?

नई दिल्ली घोषणा से भविष्य की वैश्विक धुरी एआई



700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है: एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां वह ढांचा वैश्विक सहयोग की विकास प्रस्तुत करना हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेवसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र

समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने

क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है? क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन? विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक नयं अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां।

आने वाली पीढ़ियों की मानसिकता पर प्रभाव

यह विषय किसी एक फिल्म फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएं, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की। भोपाल फिल्म फेस्टिवल एक उदाहरण प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए।

भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसमें अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उतरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सत्थकार हैं।)

भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीमाइंड के डेमिस हासाविस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैस सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है। एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित AI4Agri 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई से संचालित होगी। इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी उपकरणव्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित Agri Param मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है।

वेद और बुद्ध के बीच संवाद की परंपरा



ने यह कहा कि मनुष्य और आधुनिक वानरों का एक साझा पूर्वज रहा है। लोकप्रिय समझ बाइबिल-आधारित कालगणना प्रभावी रही। सत्रहवीं शताब्दी में आयरलैंड के आर्चबिशप जेम्स अशर ने बाइबिल की वंशावलि्यों के आधार पर सृष्टि की तिथि 4004 ईसा पूर्व बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य आत्मा की अनंतता पर विचार करते हैं। कठोपनिषद में नचिकेता मृत्यु के पार के सत्य को जानना चाहता है। छंदोग्य उपनिषद ह्रूतत्वमसिंह का उद्धोष करता है। ब्राह्मवैदाता में आत्मा की अनश्वरता और कर्मफल का सिद्धांत प्रतिपादित है। बुद्ध ने कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा को नकारा नहीं। उन्होंने यज्ञकर्म और वेद-प्रामाण्य की अनिवार्यता पर प्रश्न उठाए, पर उनका चिंतन उसी दार्शनिक धरातल पर विकसित हुआ जिसे सनातन वैदिक परंपरा कहा जाता है।

सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय

इसके विपरीत सनातन वैदिक ग्रंथों में सृष्टि की अवधारणा बहुस्तरीय और चक्रीय है। पुराणों में मानसिक सृष्टि का उल्लेख है—ब्रह्मा द्वारा संकल्प से उत्पत्ति। उसके पश्चात मेथुनिक सृष्टि का क्रम है। यह संकेत करता है कि सृष्टि को केवल भौतिक घटना के रूप

में नहीं, बल्कि चेतना और प्रकृति के संयुक्त आयाम में देखा गया। विष्णु पुराण में सृष्टि और प्रलय को चक्र में वर्णित किया गया है। श्रीमद्भागवत के तृतीय स्कंध में ब्रह्मा के एक दिन की गणना 4.32 अरब वर्ष कही गई है। महाभारत के शांति पर्व में कल्पों और मन्वन्तरों का विस्तार मिलता है। योगवासिष्ठ में असंख्य ब्रह्मांडों की चर्चा है। यहाँ समय अनादि और चक्रीय है। यदि इस चक्रीय काल-दृष्टि को स्वीकार किया जाए तो सृष्टि को कुछ हजार वर्षों में सीमित करने की धारणा चुनौती के घेरे में आ जाती है। औपनिवेशिक काल में भारत के इतिहास के इसी रेखीव ढाँचे को साझा हुआ। जेम्स मिल की "History of British India" (1817) ने भारतीय परंपरा को अंधविश्वासी और अविश्वसित बताया। मैक्स मूलर ने वेदों का काल सीमित किया। उनीसवीं शताब्दी में

आर्य आक्रमण सिद्धांत प्रस्तुत हुआ—यह सिद्ध करने के लिए कि वैदिक संस्कृति स्वदेशी नहीं थी। इससे भारतीय परंपरा को प्राचीनता और निरंतरता पर प्रश्न उठे।

बौद्ध बनाम ब्राह्मण

इसी पृष्ठभूमि में बौद्ध बनाम ब्राह्मण का आख्यान विकसित हुआ। कुछ मिशनरी लेखनों और बाद में वामपंथी इतिहासकारों ने यह प्रतिपादित किया कि बौद्ध मत सामाजिक विद्रोह था और वैदिक परंपरा दमनकारी। इससे दार्शनिक निरंतरता को खंडित दिखाया गया और बुद्ध को एक वैकल्पिक नैतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। बुद्ध को ईश्वर-निरपेक्ष नैतिक शिक्षक के रूप में चित्रित करना पश्चिमी बौद्धिकता के लिए अनुकूल था। इससे बाइबिल-आधारित ढाँचे को सीधी चुनौती नहीं मिलती और वामपंथी चिंतन को एक ऐतिहासिक प्रतीक मिल जाता है।

वैदिक परंपरा के विरुद्ध कोई धार्मिक युद्ध का उल्लेख नहीं

ऐतिहासिक स्रोत इस सरलीकरण का समर्थन नहीं करते। सम्राट अशोक के शिलालेखों में वैदिक परंपरा के विरुद्ध कोई धार्मिक युद्ध का उल्लेख नहीं मिलता। हर्षवर्धन ने बौद्ध विहारों और ब्राह्मणों दोनों को संरक्षण दिया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने "The Buddha and His Dhamma" में संकेत किया कि भारत में बौद्ध संस्थानों के पतन में विदेशी

आक्रमणों की भूमिका रही। नालंदा और विक्रमशिला के विनाश का उल्लेख विभिन्न ऐतिहासिक अभिलेखों में है। अतः बौद्ध मत के लोप को केवल हल्लाहणीय दमनह्व की कथा में सीमित करना एकांगी दृष्टि है।

बुद्ध के प्रति विशेष आग्रह का कारण

पश्चिम, क्रिश्चियनिटी और वामपंथी चिंतन में बुद्ध के प्रति विशेष आग्रह का एक कारण आध्यात्मिक आकर्षण हो सकता है, पर उससे अधिक वह वैचारिक सुविधा है जो बुद्ध को सनातन से पृथक् प्रस्तुत करने में निहित है। यदि यह स्वीकार कर लिया जाए कि बौद्ध मत उसी दार्शनिक परंपरा की धारा है, कि श्रमण और वैदिक विचार एक ही बौद्धिक भूमि के अंग हैं, तो यह कृत्रिम द्वंद समाप्त हो जाता है।

बुद्ध और सनातन के बीच विभाजन की जटिलता

बुद्ध और सनातन के बीच विभाजन स्थापित करना ऐतिहासिक जटिलता को सरल बनाना है। समस्या बुद्ध में नहीं है; समस्या उस व्याख्या में है जो उन्हें सनातन के विरुद्ध खड़ा करती है। जब सृष्टि-दृष्टि, काल-दृष्टि और दार्शनिक निरंतरता के संदर्भ में विषय को देखा जाता है, तो स्पष्ट होता है कि दोनों को अलग करके देखना ही मूल भ्रम है।

(लेखक, सत्थकार हैं।)

लातेहार में मौसम ने बदला मिजाज: तेज हवा-तूफान के साथ झमाझम बारिश, बड़ी ठंड की संभावना

लातेहार: जिले में सोमवार शाम अचानक मौसम ने करवट ले ली। दिनभर सामान्य रहे मौसम के बाद शाम होते-होते तेज हवा और तूफान के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। अचानक आए बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं ठंड बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है। तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ों की डालियां टूटकर गिर गईं। बाजार क्षेत्र में लोग बारिश से बचने के लिए दुकानों और घरों की ओर भागते नजर आए। कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित होने की सूचना है। बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे आने वाले दिनों में हल्की ठंड महसूस होने की संभावना है। किसानों के लिए यह बारिश फसलों के लिहाज से लाभकारी मानी जा रही है, हालांकि तेज हवा से नुकसान की आशंका भी बनी हुई है। अचानक बदले मौसम ने पूरे लातेहार में लोगों को चौंका दिया और वातावरण ठंडा व सुहावना हो गया।

चंदवा में धूमधाम से निकली खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

चंदवा: प्रखंड मुख्यालय चंदवा में श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में भगवान खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ श्री राम दरबार मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हाथों में श्याम ध्वज लिए शामिल हुए। भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। यात्रा श्री राम दरबार मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार मार्ग से गुजरते हुए इंदिरा चौक- का भ्रमण करती हुई पुणे निवासी रविकांत कोनडिया के घर पर संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से पूरा चंदवा क्षेत्र श्याममय नजर आया।

सभी बूथों पर शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुआ



दुमका। उपायुक्त द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि नगरपालिका आम निर्वाचन,2026 के तहत नगर परिषद दुमका के 42 एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के 19 मतदान केन्द्रों पर पूर्वाह्न 7 बजे से ही सभी वर्ग के मतदाता यथा- वृद्ध, दिव्यांग, युवा, महिला, पुरुष, नए मतदाता आदि ने कतारबद्ध होकर अपने-अपने मतधिकार का प्रयोग किया। सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी बूथों पर मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। अपराह्न 05 बजे तक नगर परिषद दुमका क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 60.47 रहा। नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र का कुल मतदान प्रतिशत 74.10 दर्ज किया गया। दुमका नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पुरुष मतदाताओं की संख्या 20,738 है जिसमें 12801 मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 20,001 है जिसमें 11,832 मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र अंतर्गत पुरुष मतदाताओं की संख्या 7,127 है जिसमें 5,368 मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। वहीं महिला मतदाताओं की कुल संख्या 7,127 है जिसमें 5,194 महिला मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। सभी बूथों पर शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुआ। उत्साह भरे माहौल में मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कराई। मतगणना दिनांक 27.02.2026 को इंजीनियरिंग कॉलेज दुमका में संपन्न कराई जाएगी। मतगणना हेतु आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, प्रवेश-निर्वात्रण तथा अभ्यर्थियों/मतगणना अधिकताओं के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मौके पर नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के निवाची पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई,कुकड़ प्रखंड क्षेत्र में 40 हजार सीएफटी बालू जप्त

ईचागढ़- कुकड़ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर खनन विभाग द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें अवैध बालू भंडारण से 40 हजार सीएफटी बालू जप्त किया गया। वहीं सुवर्ण रेखा नदी के कई बालू घाटों का रास्ते को जेसीबी मशीन से ट्रैच काट कर अवरूद्ध किया गया। मालूम हो कि कुछ दिनों पहले भी खनन विभाग द्वारा हजारों सीएफटी अवैध बालू जप्त किया गया था। खनन विभाग की कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं खनन निरीक्षक समीर कुमार ओझा ने बताया कि उपायुक्त एवं जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश पर तिरुलडीह पुलिस के साथ क्षेत्र में अवैध बालू के खिलफा छापेमारी कर 40 हजार सीएफटी अवैध बालू जप्त किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध बालू भंडारण में सलिलपर्व व्यक्ति एवं जमीन मालिक का पता लगाकर विधि सम्मत कार्रवाई किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बालु घाटों को ट्रैच काट कर बंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध बालू उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाएगा। मौके पर तिरुलडीह थाना प्रभारी कौशल कुमार,अमीन एवं पुलिस दल उपस्थित थे।

पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव के विरोध में कोल्हान बंद, वाडिल में हाईवे जाम कर प्रदर्शन

वाडिल – एक ओर झारखंड में नगरपालिका चुनाव को लेकर मतदान की प्रक्रिया जारी है, वहीं दूसरी ओर पावटी अनुसूची क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव कराए जाने के विरुध्द में आदिवासी संगठनों ने कोल्हान बंद का आह्वान किया। बंद का आंशिक असर सरायकेला-खरसावा जिले के वाडिल क्षेत्र में देखने को मिला। वाडिल थाना क्षेत्र के विलगु तिलका मांडी मोड़ के पास प्रदर्शनकारियों ने टाटाइरावी राष्ट्रीय उच्च पथ 33 को कुछ समय के लिए जाम कर दिया। अचानक हुए सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। यात्री बसें, मालवाहक ट्रक और निजी वाहन कुछ देर तक फंसे रहे। हालांकि वाडिल पुलिस की गस्ती दल सक्रिय होने के कारण तुरंत ही जाम को हटा लिया गया और यातायात सामान्य हो गया। प्रदर्शन कर रहे आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र पांचवी अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहां पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था और आदिवासी रीति-रिवाजों को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। उनका आरोप है कि ऐसे क्षेत्र में नगरपालिका चुनाव कराना असंवैधानिक है और यह आदिवासी स्वायत्तता एवं पारंपरिक ग्रामसभा व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भारतीय संविधान की पांचवी अनुसूची आदिवासी बहुल क्षेत्रों को विशेष अधिकार प्रदान करती है, जिसके तहत स्थानीय परंपराओं, सामाजिक संरचना और स्वशासन प्रणाली की रक्षा सुनिश्चित की गई है। उनका आरोप है कि राज्य सरकार द्वारा अधिकारों की अनदेखी कर शहरी निकाय चुनाव थोप रही है, जिससे पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित होगी। हालांकि प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और कहीं से किसी अभियं घटना की सूचना नहीं है। वाडिल में बंद का असर सीमित रहा तथा बाजार और अन्य गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित होती रही। इधर, चुनाव प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न हुआ। सुरक्षा के मद्देनजर सवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की

लातेहार निकाय चुनाव: 27 फरवरी को खुलेगा भाग्य का पिटारा, जीत के दावे से गरमाई सियासत

बबलू खान

लातेहार। नगर पंचायत चुनाव 23 फरवरी की संंध्या पांच बजे शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। मतदान खत्म होते ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के बीच हार-जीत का गणित तेज हो गया है। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, चाय दुकानों और सार्वजनिक स्थलों पर लोग जुटकर संभावित परिणामों को लेकर चर्चा करते देखे जा रहे हैं। चुनाव भले ही स्थानीय निकाय का हो, लेकिन माहौल विधानसभा या लोकसभा चुनाव जैसा नजर आ रहा है। हर दल और समर्थक अपने-अपने प्रत्याशी की जीत को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं, जबकि आम मतदाता 27 फरवरी का इंतजार कर रहा है जब मतगणना के बाद तस्वीर पूरी तरह साफ होगी।
भाजपा का मजबूत दावा: महेश सिंह को बढ़त का भरोसा

भारतीय जनता पार्टी के नेता खुलकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी महेश सिंह की जीत का दावा कर रहे हैं। प्रदेश परिषद सदस्य राजनवी यादव, जिला अध्यक्ष रंजीत यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, महेंद्र प्रसाद गुप्ता, मुकेश पांडे तथा लोजपा प्रदेश सचिव मुरली प्रसाद ने

बारियातू में पुलिस का बड़ा अभियान: 500 एकड़ में लगी अवैध अफीम पोस्ता फसल नष्ट

लातेहार बारियातू: स्थानीय पुलिस ने शनिवार को अवैध अफीम पोस्ता की खेती के विरुद्ध बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हुए करीब 500 एकड़ गैरमजसूआ एवं वन भूमि पर लगी फसल को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। बारियातू थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान ने बताया कि लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली सूचना एवं बालूमाथ एसडीपीओ बिनोद रवानी के दिशा-निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत बारियातू थाना क्षेत्र के बालूयांग पंचायत के भुतहा, गुरुवे, कोटनासीमार, हेनहोपा, मंजूवाखुर्द, दाकदारी, सोहेगढ़, बुद्धिसखुवा, हालमता, श्रीसमद, पंचफेरी, कमाटांड, लेंलब्राही, जवाबार और अमानत नदी के तटीय क्षेत्र सहित डाढ़ा, शिवला एवं फुलसु पंचायत के विभिन्न गांवों में फैली अवैध खेती को ड्रेन, ट्रैक्टर और लाठी-डंडों की मदद से विनाश किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस अवैध खेती में सलिलप लोगों तथा सहयोग करने वालों को चिन्हित कर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा उनकी संपत्ति जब्त करने की भी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पंचायत स्तरीय विशेष पशु चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

ईचागढ़- प्रखंड क्षेत्र के सोड़ो पंचायत अंतर्गत बिटटाटांड गांव में सोमवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पशुपालन प्रभाग द्वारा एक दिवसीय पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बैल,गाय, भेड़,बकरी आदि का स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा एवं दवा का वितरण किया गया। पशुपालकों को कुमि रोधी दवा, कैल्शियम एवं विटामिन आदि का वितरण किया गया। प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हरेलाल महतो ने पशु पालकों को मौसमी रोग, बैक्टीरिा आदि के संबंध में जानकारी दिया। डॉ श्री महतो ने बताया कि शिविर में 36 पशेधियों का चिकित्सा किया गया एवं दवा दिया गया।
अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध महिला की मौत, -बरनी पुल के सनीप हादसा, परिजनों में गचा कोहराम
नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/बालूमाथ- बरियातू सीमा थाना क्षेत्र अंतर्गत बालूमाथ बगरा मार्ग स्थित बरनी पुल के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालूमाथ प्रखंड के कोमर गांव निवासी चोमो देवी 60 वर्ष पति महतो उरांव, किसी कार्य से लातेहार जाने के लिए सड़क किनारे खड़ी थीं। इसी दौरान

मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए जानकारी साझा करते हुए कहा गया कि नगरपालिका आम निर्वाचन,2026 के तहत आज लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर प्रातःकालीन समय से ही सभी वर्ग के मतदाता यथा- वृद्ध, दिव्यांग, युवा, महिला, नए मतदाता आदि ने कतारबद्ध होकर अपने-अपने मतधिकार का प्रयोग किया। सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी बूथों पर मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे।



तोपनो को विजयी बनाने का मन बना लिया था। नेताओं के मुताबिक महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यक मतदाताओं का व्यापक समर्थन बिलासी तोपनो को मिला है। उनका कहना है कि 27 फरवरी को परिणाम घोषित होते ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने बदलाव और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में मतदान किया है।

राजद का दावा: मित्यानी कुजूर कर सकती हैं उलटफेर

राजद समर्थित प्रत्याशी मित्यानी कुजूर के समर्थक भी पीछे नहीं हैं। राजद प्रदेश सचिव रंजीत यादव ने दावा किया है कि राजद ने मजबूती के साथ चुनाव लड़ा है और मित्यानी कुजूर को समाज के हर वर्ग और समुदाय का समर्थन प्राप्त

महुआडांड पुलिस की कार्रवाई: फरार अभियुक्त के घर इश्तेहार चिपकाया, आत्मसमर्पण का अंतिम मौका

नवप्रदेश/महुआडांड (लातेहार): महुआडांड थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई करते हुए उसके घर पर इश्तेहार चिपकाया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में की गई।

पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार को विधिवत तामिला कर अभियुक्त अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल तुरी (37 वर्ष), पिता भोंदुआ तुरी, ग्राम चैनपुर, थाना पेशरार, जिला लोहरदगा स्थित आवास पर चिपकाया। अभियुक्त मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय लातेहार (बृथ संख्या 11/1), राजकीय बुनियादी विद्यालय धर्मपुर (15/1), राजकीय कृत उत्कर्मित उच्च विद्यालय आश्रम (7), सामुदायिक भवन बाजारटांड डुरुआ (04), सामुदायिक भवन डुरुआ (06), राजकीय प्राथमिक विद्यालय राजहार (3/1) एवं राजकीय उत्कर्मित उच्च विद्यालय चंदनडीह (14/1) शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान मतदान व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं एवं मतदान कर्मियों की उपस्थिति की जांच की गई। अधिकारियों ने निर्वाचन

तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां द्यूटी पर मौजूद चिकित्सक अशोक कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन अहलाल पहुंचे, जहां उनके रोने-बिलखने से माहौल गमगीन हो गया। इधर, पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात वाहन की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है।सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर वाहन की तलाश की

जा रही है। यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंडू समेत स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बरनी पुल के समीप यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने तथा दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में पूर्वाह्न 9 बजे तक 11.1 % मतदान प्रतिशत रहा। इसी प्रकार पूर्वाह्न 11 बजे तक 27.1% मतदान प्रतिशत रहा। वहीं अपराह्न 01 बजे तक 41.99% मतदान प्रतिशत रहा। अपराह्न 03 बजे तक कुल

मतदान प्रतिशत 55.00% रहा। अपराह्न 05 बजे तक लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 65.99 % रहा। लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र का कुल मतदान प्रतिशत 65.99 % दर्ज की गई। लातेहार जिला अंतर्गत मतदान

समर्थित प्रत्याशी सेलेस्टीन कुजूर ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए चुनाव के अंतिम चरण में बिलासी तोपनो को समर्थन देने की घोषणा कर दी थी। इस समर्थन से झामुमो खेमे में उत्साह बढ़ा, जबकि विरोधी इसे सीमित प्रभाव वाला कदम बता रहे हैं।

वार्ड पार्षदों की भी टिकी निगाह

नगर पंचायत अध्यक्ष पद के साथ-साथ वार्ड पार्षद पद के उम्मीदवारों की भी किस्मत ईवीएम में बंद है। शहर के कई वार्डों में कड़ा मुकाबला बताया जा रहा है। स्थानीय मुद्दों जैसे सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को लेकर मतदाताओं ने मतदान किया है। वार्ड स्तर पर कई नए चेहरे चुनाव मैदान में थे, जिससे मुकाबला और रोचक हो गया है।

चौक-चौराहों पर सियासी चर्चा

मतदान समाप्त होने के बाद से ही शहर का राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है। बाजार क्षेत्र, रेलवे स्टेशन रोड, मुख्य चौक और मोहल्लों में लोग समूह बनाकर संभावित नतीजों का आकलन कर रहे हैं। कुछ लोग बूथवार आंकड़ों के आधार पर जीत-हार का गणित बैठा रहे हैं तो कुछ मत प्रतिशत के आधार पर अनुमान लगा रहे हैं। हालांकि अधिकांश लोग मानते हैं कि वास्तविक स्थिति 27 फरवरी को

इश्तेहार चिपकाये की कार्रवाई: फरार अभियुक्त के घर

इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशानुसार की गई। इस दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा।

थाना प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त को आत्मसमर्पण का अंतिम अवसर दिया गया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर समर्पण नहीं करने पर कुर्की-जप्ती सहित कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अभियुक्त से संबंधित किसी भी जानकारी की सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें।

ट्रैक्टर की टक्कर से 18 वर्षीय छात्रा की दर्दनाक मौत

मुआवजे की मांग को लेकर गुस्सा ग्रामीणों ने एनएच-22 किया जाम, वाहनों की लंबी कतार:

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के बालूमाथ मुरपा मार्ग स्थित साहू पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्रा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंसिया निवासी सुमन कुमारी 18 वर्ष, पिता रमेश उरांव, किसी आवश्यक कार्य से उच्च विद्यालय बालूमाथ आई थी। कार्य समाप्त होने के बाद वह बाइक से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छात्रा असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई और ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे

केन्द्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई मतगणना दिनांक27.02.2026 को प्रातः 08:00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक, लातेहार में संपन्न होगी। मतगणना हेतु आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, प्रवेश-नियंत्रण तथा अभ्यर्थियों/मतगणना अधिकताओं के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपायुक्त ने निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल एवं

मतदाताओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतगणना संपन्न कराना है। मौके पर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती मेरी मड़की, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रेयांश, निवाची पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, प्रेस वार्ता में विभिन्न संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।



बाल गीत :



बच्चों को जब गुस्सा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया
शीतल पवन साथ में लाया।
गद्ग उठा अभी बिस्तर से,
फिर रजाई से हाथ मिलाया।
चाय पिलाई अदरक वाली,
केसर वाला दूध पिलाया।
छुपा रखा था पेटि भीतर,
निकला स्वेटर बाहर आया।

धोकर और सुखाकर मां ने,
छुन्न-मुन्न को पहनाया।
शीत लहर जब चली भयानक,
पापा ने हीटर जलवाया।

सी-सी करते दादाजी ने,
दादी से टोपा मंगवाया।
इस पर घर के सब बच्चों को,
बड़ों-बड़ों पर गुस्सा आया।

डॉट-डॉट कर सभी बड़ों को,
बिस्तर के भीतर घुसवाया।
—प्रभुदयाल श्रीवास्तव

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका

आज के युवा अपने निर्णय खुद लेने में विश्वास करते हैं। अक्सर वे अपने निर्णयों में माता-पिता को शामिल नहीं करते। घूमने के लिए बाहर जाने से लेकर बात चाहे करियर की क्यों न हो।

अक्सर यह देखा जाता है कि किसी छात्र ने अगर 10वीं पास की है। उसे 11वीं में किसी विषय का चयन करना है। वह अपने माता-पिता या बड़े भाई या बहन से सलाह लेना उचित नहीं समझता, बल्कि वह बाहरी माहौल से प्रभावित होकर अपने निर्णय खुद ही लेता है।

अगर किसी विषय में उसकी रुचि हो भी जिसमें वह करियर बनाना चाहता हो तो उस विषय में क्या करियर संभावनाएं हैं, इसकी तलाश उसे करनी चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता या बड़े भाई-बहन से भी उस पर सलाह लेना जरूरी है। सलाह में फायदे हैं, इसलिए बाद में अपने निर्णय पर पछताना से अच्छा है कि पहले ही अपने घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह-मशविरा कर लें।



कॉम्पिटिशन से युवाओं पर भी अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है। बात करियर बनाने की क्यों न हो। आज भले ही संचार माध्यमों में वृद्धि हो गई। इंटरनेट से कोई भी जानकारी का आसानी से जुटाई जा सकती है। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अनुभव सबसे बड़ी चीज है। अनुभव कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है। माता-पिता या परिजनों से ही हमें जीवन के सही मायने समझ में आएंगे। वे जो भी रास्ता दिखाएंगे वह सही होगा। कभी-कभी माता-पिता की अपेक्षाएं भी बच्चों से बढ़ जाती हैं। इन

अपेक्षाओं के बोझ तले युवा दब जाते हैं। इससे उनकी जिंदगी निराशा की ओर मुड़ जाती है। माता-पिता या परिजन भी यह ध्यान रखें कि वे अपने निर्णय युवाओं पर थोप कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। अपने

बच्चों की रुचि पहचानकर ही उन्हें भविष्य के लिए कोई सलाह दें और सही करियर चुनने में उनका मार्गदर्शन करें। सही मार्गदर्शन, सही विषय को चुनने के बाद अगर युवा उस पर मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे तो सफलता मिलेगी।

विकी अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था। दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी। 'मां, दादीजी कहाँ हैं?' उसने पूछा। 'रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।' विकी एकाएक उदास हो गया। उसकी माँ ने पूछा, 'क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।' विकी अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, 'हाँ, मैं आपके साथ चलूँगा।'

विकी की ईमानदारी



वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, 'मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।' आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, 'मैंने परसों क्या कहा था?'

'यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए,' गोलमटोल उधा ने जवाब दिया। 'तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे?' उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा। फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

'अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विकी आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

'क्या बात है?'

'महोदय, विकी भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा।' कहते हुए विकी ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

'तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।'

विकी ने जो कुछ किया, इसकी उसे बहुत खुशी थी।

इन पांच तरीकों से होगा बच्चों का दिमाग तेज

केवल परीक्षा के समय ही नहीं बल्कि दिमाग का हर समय सक्रिय होना जरूरी है। इसके लिए आप खानपान से लेकर अन्य कई तरीके भी आजमाते हैं ताकि बच्चों का दिमाग तेज हो और वे हर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें। जानिए 5 आसान और प्रभावकारी तरीके, जो दिमाग तेज करने में मदद करते हैं -

1 दिमागी कसरत

दिमाग तेज करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है, दिमागी कसरत। इसके लिए आप बच्चों के साथ कोई दिमागी खेल जैसे-प्रश्नोत्तरी, शब्दकोश भरना या सही विकल्प चुनो खेल सकते हैं। दोस्तों की मदद से इस तरह के खेल खेले जा सकते हैं। यह बच्चे की याददाश्त को बढ़ाने के साथ ही याद रखने की इच्छा भी बनाए रखेगा।

2 नई भाषा

बच्चों को कम उम्र में भी अन्य



भाषाओं का ज्ञान होने से उनका दिमाग ऐसे बच्चों की तुलना में तेज चलता है, जो केवल एक ही भाषा जानते हैं। इस तरह से बच्चे में और भी योग्यताएं विकसित होती हैं।

3 खेलकूद

बच्चे खेलकूद में जितने फुर्तीले होते हैं, उनका दिमाग उतना ही तेज और सक्रिय होता है। इस तरह से बच्चों के दिमाग में ऑक्सीजन का प्रवाह भी सही होता है, जो उनके दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है।

4 कलात्मकता

बच्चों का कला के प्रति रुझान दिमाग को विकसित करता है और नई चीजों के सीखने में मदद करता है। इस प्रकार बच्चों की कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होती है, और वे बहुआयामी सोच रखते हैं।

5 गणित

जी हाँ, बचपन से ही बच्चे को गणित का अच्छा अभ्यास होना उसके दिमाग को तेज



बच्चों की परवरिश में ध्यान रखनी चाहिए ये बातें

बेटे-बेटी के लालन-पालन में भेद नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार तो यह पाप है। इस संसार की जो पहली पांच संतानें हुई थीं, उनमें से तीन बेटियाँ थीं। मनु-शतरूपा हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्यों के पहले माता-पिता थे और उनसे जो मैथुनि सृष्टि निर्मित हुई उसमें दो पुत्र- उत्तानपाद और प्रियव्रत तथा तीन बेटियाँ - आकुलि, देवहुति और प्रसुति ने जन्म लिया था। समझदार माता-पिता अब दोनों को एक जैसा पाल रहे हैं, लेकिन इसी के साथ एक जागरूकता और आनी चाहिए। लालन-पालन में भेद न करें, लेकिन दोनों के सामने जो भविष्य में चुनौतियाँ आने वाली हैं, उस फर्क को उन्हें जरूर समझाएं। बेटियों को एक दिन बहू बनना है, जो सबसे बड़ी चुनौती है।

इस समय की पढ़ी-लिखी बच्चियाँ अपने वैवाहिक जीवन के बाद के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंतित तो हैं पर फिर भी एक बेफिक्री है कि संबंध नहीं जमा तो तोड़ लेंगे। किंतु उनके मां-बाप के लिए तो यह जीवन-मरण का प्रश्न है, इसलिए बच्चों के लालन-पालन में बेटे-बेटी को यह एहसास जरूर कराया जाए कि स्त्री के लिए क्या मायने हैं ससुराल के। पहला तो बदलाव, दूसरा अपेक्षा और तीसरा अपने ससुराल में आत्मनिर्भर होकर बिना कलह के मार्ग ढूँढ़ना। ये तीन बड़ी चुनौतियाँ स्त्री के सामने आती हैं। स्त्री जब बहू बनती है तो उसे नए घर में दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। योजनाबद्ध तरीके से विनम्रता के साथ सबको जीता जाए। पेट की भूख सही ढंग से यदि मिटा दी जाए, तो दिल जीता जा सकता है, इसलिए अन्न पर माता-बहनों का नियंत्रण किसी भी घर में समाप्त नहीं होना चाहिए। जिस घर में माता-बहनों के हाथ से अन्न का नियंत्रण निकलेगा, उस घर में शांति संदेहास्पद हो जाएगी। इस चुनौती को इसी तरह से समझाया जाए।



आधुनिक तकनीक ने

जहाँ एक ओर हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। रात में आईपैड, लैपटॉप या ई-रीडर पर किताबें पढ़ने से नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है। इससे सोने के लिए तैयार होने में लगने वाले वक्त और नींद के कुल समय पर नकारात्मक असर पड़ता है। हाल ही में अमेरिका में हुए इस शोध की प्रमुख एक यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एना मारिया का कहना है कि इस शोध के लिए कुछ लोगों पर कई हफ्ते तक नजर रखी गई। इसमें से आधे लोगों को रात में

ई-बुक नहीं बुक पढ़ें

सोने से पहले ई-बुक और आधे लोगों को सामान्य किताब पढ़ने के लिए कहा गया।

इसके बाद इन लोगों में नींद वाले हार्मोन मेलैटोनिन के स्तर, नींद की गहराई और अगली सुबह उनकी सजगता के स्तर की जांच की गई। शोध में पाया गया कि जो लोग रोज ई-बुक पढ़ते हैं, वे कई घंटे कम सोते हैं और उनमें रैपिड आई मूवमेंट स्लीप का समय भी कम हो जाता है। गौरतलब है कि नींद की इसी अवस्था में यादें संरक्षित होती हैं। इसलिए ज्यादा समय तक ई-बुक पढ़ने से स्मरणशक्ति कमजोर होती है और डिमेंशिया का भी खतरा बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप पढ़ने की शौकीन हैं तो ई-बुक के बजाय किताबों के साथ वक्त बिताएं। अगर किसी वजह से ई-बुक पढ़ना जरूरी हो तो भी रात में सोने से पहले ई-बुक पढ़ने से बचें।

बच्चों की परीक्षा के समय ध्यान रखें ये बातें

कई बार परीक्षा में पेपर देखते ही हम ब्लॉक हो जाते थे। कई शोधों में ये बात सामने आई है कि इसकी वजह अत्यधिक तनाव बढ़ता है। अक्सर टीनएजर्स इस तनाव से गुजरते हैं। वे इसे अपने दोस्तों, माता-पिता और शिक्षकों के सामने मान-प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। परीक्षा के समय में बच्चों से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. व्यवस्थित बनाएं

उसकी जरूरत की चीजों को उसके पास रखें। सारी चीजें का ढेर न लगा दें। अगर बच्चों की अंग्रेजी की परीक्षा है तो ध्यान रहे उस वक्त व गणित की किताबें न पलटें। टाइमटेबल बनाने में उसकी मदद करें। मैक्स हेल्थकेयर गुडगांव की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एनी सिमि जॉन कहती हैं उसे एक बार में एक ही काम करने को कहें।

2. ब्रेक लेने के लिए कहें

शोध बताते हैं कि ज्यादा वक्त तक बैठना उपयोगी नहीं होता। लगातार 50 से 90 मिनट तक बैठना सही माना जाता है। अपने बच्चे को हर चार घंटे बाद करीब 15 मिनट का ब्रेक लेने को कहें। यह दिमाग को सूचनाएं याद रखने में मदद करता है। उसे बाहर वॉक करने के लिए कहें। ऑक्सीजन रक्त संचार को बढ़ाता है।



फिजिकल एक्टिविटी भी तनाव कम करती है।

3. पावर फूड दें

पढ़ाई के दौरान दिमाग सारे ग्लूकोज का उपयोग कर लेता है। कोलकाता की न्यूट्रिशनलिस्ट हीना नफीस कहती हैं बच्चे को पढ़ाई के दौरान शरीर को फिर से फ्यूल देना पड़ता है। उसे ओमेगा 3 और

4. समय पर सोने को कहें

जर्मनी में यूनिवर्सिटी ऑफ ल्यूबेक की एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग नींद के दौरान नई चीजों को स्टोर करता है। इसके लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।



संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

**अहमदाबाद ।**

टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरूआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना**केनबरा ।**

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहाँ हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। । मंधाना ने कहा, मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। । मंधाना ने कहा, यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे एकदिवसीय मैच खेले पर अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) होने से भी हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

बाबर टी20 प्रारुप के लिए फिट नहीं : अख्तर**लाहौर ।**

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने टी20 विश्वकप में लगातार खराब प्रदर्शन के लिए अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम की आलोचना करते हुए कहा है कि ये प्रारुप उनके बस का नहीं है। इसलिए वह इसे छोड़ दें। अख्तर के अनुसार पहले भी बाबर को ये बात कही गयी थी पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया था। जिस प्र-कार का का उनका खेल है उससे वह इस प्रारुप के लिए फिट नहीं हैं। एक शो में अख्तर ने कहा: सबसे पहले बाबर को यह तय कर लेना चाहिए था कि यह प्रारुप उनके लिए नहीं है और अगर टीम किसी कारण से उन्हें रखती है तो उन्हें शीर्ष क्रम में ही उतरा जाना चाहिये अन्य जगहों पर वह किसी काम के नहीं हैं। ये सही है कि वह इस प्रारुप पाक की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से एक हैं पर उनका स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं है। इस विश्वकप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह अब तक चौथे नंबर पर उतरे हैं और चार मैचों में मिलाकर भी 100 रन नहीं बना पाये हैं। वहीं पाक के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा कि पावरप्ले में बाबर का स्ट्राइक ट्ट 100 से कम रहा है, इसलिए उन्हें मध्य क्रम में टिककर खेलने के लिए रखा गया है। अगर टीम दबाव में हो, तो बाबर बीच के ओवरों में पारी संभाल सकते हैं। वहीं एक बार जम जाने के बाद वह तेजी से रन बना सकते हैं।

टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लिकेली ।**इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी।**

इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो

की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है। इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिरनरों के जरिये



इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे

गेंदबाज हैं। ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना

है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे। अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनों के बीच अब

तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं। दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं : इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड। पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान ता-रिक।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उस-का हर खिलाड़ी मैच का रख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए। द्रविड़ ने से कहा, हमुझे लगता



है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और

अच्छे की उम्मीद करो, ङ्घटी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्र-कार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, ङ्घअगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके कि-केट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा

होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।,द्द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को क-ड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नोदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है।जिस प्रकार से इन टीमें ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमें ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है।इन टीमें के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

बीएनपी पारिबास ओपन के लिए वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड मिला

**इंडियन वेल्स।**

हाल में 45 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस से वापसी करने वाली अमेरिका की अनुभवी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स अब मार्च में बीएनपी

पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलती हुई नजर आयेंगी। सात बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन विजेता रही वीनस को इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस के लिए वाइल्ड कार्ड से प्र-

वेश मिला है। वह इस टूर्नामेंट के महिला एकल और युगल दोनों ड्रॉ में भी शामिल रहेंगी। इसमें वह पहले तीन बार सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। पर तब वह पहले दौर में ही हार गयी थी। इस बार

ऑस्ट्रेलियाई ओपने में भी वह श-रूआत में ही बाहर हो गयीं थीं। वीनस तीन बार पारिबास ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। उन्होंने 2001 की एक विवादित घटना के बाद 2002 से लेकर 2016 तक इस प्रतियोगिता का बहिष्कार किया था। टूर्नामेंट के निदेशक टॉमी हास ने कहा, इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए पहला वाइल्ड कार्ड वीनस को प्रदान करद उन्हें खुशी हुई है। हमारे लिए सम्मान की बात है। वीनस इस खेल की दिग्गज खिलाड़ी हैं और हमारे खेल के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। पारिबास ओपन का आयोजन 4 से 15 मार्च तक किया जाएगा। वीनस ने कहा, मैं इंडियन वेल्स में वापसी करने को लेकर बेहद उत्साहित और कैलिफोर्निया में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनों ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, ह्राजब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने



शुरूआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को

खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरूआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत

सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना

पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनों ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनों के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन

विकेट सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की स-राहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनों की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इस्-के बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये।

संक्षिप्त समाचार

बैंक अकाउंट फ्रीज होने से रुक सकते हैं आपके जरूरी काम, जानें किन गलतियों की वजह से बैंक लगा सकता है आपके लेनदेन पर रोक, समय रहते हो जाएं सावधान नई दिल्ली,एजेंसी ।

डिजिटल बैंकिंग के दौर में बैंक अकाउंट फ्रीज होना किसी भी ग्राहक के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। बैंक आमतौर पर तब यह कदम उठाते हैं जब उन्हें खाते में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि या धोखाधड़ी का अंदेश होता है। अत्याधुनिक मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए बैंक असामान्य ट्रंज़ैक्शन पैटर्न पर नजर रखते हैं। यदि आपकी पहचान चोरी होने या अनधिकृत निकासी का संदेह होता है, तो बैंक ग्राहक के फंड को सुरक्षित रखने के लिए तुरंत खाते को फ्रीज कर देता है, जिससे न तो पैसे निकाले जा सकते हैं और न ही ट्रंस्फर किए जा सकते हैं। खाता बंद होने की एक मुख्य वजह सरकारी एजेंसियों या अदालत के आदेश भी हो सकते हैं। यदि आयकर विभाग या अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी जांच के सिलसिले में गार्निशमेंट ऑर्डर जारी करती हैं, तो बैंक को अनिवार्य रूप से लेनदेन रोकना पड़ता है। इसके अलावा, एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (AML) नियमों के तहत बैंक हर उस बड़े ट्रंज़ैक्शन की निगरानी करते हैं जो अवैध धन के लेन-देन या संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा हो सकता है। जब तक ऐसी जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक खाते का एक्सेस पूरी तरह से प्रतिबंधित रहता है। अकाउंट एक्टिव रखने के लिए अपने ग्राहक को जानो यानी केवाईसी (KYC) नियमों का पालन करना सबसे जरूरी है। यदि कोई ग्राहक समय पर जरूरी दस्तावेज जमा नहीं करता या अपनी जानकारी अपडेट नहीं कराता, तो बैंक नियमों के तहत अकाउंट फ्रीज कर सकता है। इसके अलावा, खाते में अचानक बड़ी राशि का जमा होना या बार-बार हार्ड-वैल्यू ट्रंज़ैक्शन करना भी सुरक्षा की दृष्टि से बैंक को सतर्क कर देता है। इन परेशानियों से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपने बैंकिंग दस्तावेजों को अपडेट रखें और किसी भी बड़े ट्रंज़ैक्शन की जानकारी बैंक को पहले से दें।

देश के बैंकिंग सेक्टर में रड़कका ऐतिहासिक कदम, साल 2030 तक बैंक पोर्टफोलियो का 10% हिस्सा होगा ग्रीन लोन, पर्यावरण के अनुकूल प्रोजेक्ट्स पर रहेगा फोकस हैदराबाद,एजेंसी।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने बैंकिंग जगत में स्थिरता और सस्टेनेबिलिटी को लेकर एक क्रांतिकारी योजना पेश की है। बैंक ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि वर्ष 2030 तक वह अपने कुल घरेलू ऋण पोर्टफोलियो का \$7.5१%\$ से \$10.१%\$ हिस्सा ग्रीन एडवांस यानी पर्यावरण के अनुकूल परियोजनाओं के लिए आरक्षित करेगा। वर्तमान में यह हिस्सेदारी मात्र \$1.56१%\$ है, जिसे अगले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए बैंक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष ग्रीन लाइन्स ऑफ क्रेडिट के जरिए पूंजी जुटाएगा। अपनी इस रणनीति को अमली जामा पहनाने के लिए रड़कने न चक्र (CHAKRA) नामक एक सेंटर ऑफ एक्सप्लोस लॉन्च किया है। यह केंद्र विशेष रूप से सनराइज सेक्टरर्स जैसे कि रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और कार्बन न्यूट्रैलिटी से जुड़े प्रोजेक्ट्स की वित्तीय जरूरतों को पूरा करेगा। बैंक का उद्देश्य न केवल ऋण देना है, बल्कि अपनी कार्यप्रणाली को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाना है। इसी कड़ी में बैंक ने 2030 तक कार्बन न्यूट्रल बनने और 2055 तक पूर्ण नेट जीरो (Net Zero) का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए हाल ही में मुंबई में रड़कग्रीन मैराथन के छठे संस्करण का आयोजन किया गया। रन फॉर ए ग्रीनर इंडिया थीम पर आधारित इस दौड़ में 10,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। बैंक के एमडी रामा मोहन राव अमाराने इस अवसर पर कहा कि स्थिरता अब SBI के मूल उद्देश्यों का हिस्सा है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले पर नजर बनाए हुए हैं, इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं: गवर्नर मल्होत्रा नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने र-विवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। मल्होत्रा ने केंद्रीय बजट के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को दिए गए पारंपरिक संबोधन के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से कहा, हम घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं, इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है। इससे पहले, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. वैद्यनाथन ने सोमवार को कहा कि बैंक के कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की मिलीभगत के जरिये हरियाणा सरकार के खातों से जुड़ी 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। यह मुद्दा एक इकाई और एक ग्राहक समूह तक सीमित था। यह किसी प्रणालीगत ह्यरिफोर्टिंग त्रुटि का मामला नहीं है।

छत्तीसगढ़ की वृद्धि दर 2025-26 में 8.11 प्रतिशत रहने का अनुमान: आर्थिक समीक्षा रायपुर, एजेंसी।

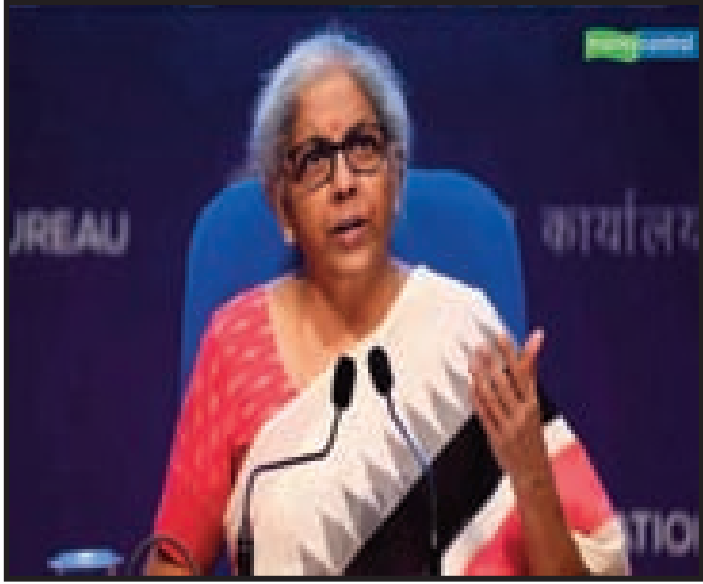
छत्तीसगढ़ में वित्त वर्ष 2025-26 में स्थिर मूल्य पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 8.11 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है तथा प्रति व्यक्ति आय 1,79,244 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। विधानसभा में सोमवार को राज्य के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग के मंत्री ओ पी चौधरी ने राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 को पटल पर रखा। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2025-26 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य) वर्ष 2024-25 के 3,31,402 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,58,293 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है, जो 2024-25 की तुलना में 8.11 प्रतिशत की वृद्धि है। समीक्षा के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्र के वर्ष 2024-25 के 53,928 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 57,969 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है, जो 7.49 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी तरह उद्योग क्षेत्र के 1,49,678 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 1,60,473 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है, जो 2024-25 की तुलना में 7.21 प्रतिशत की वृद्धि है। समीक्षा के अनुसार, सेवा क्षेत्र के वर्ष 2024-25 के 98,147 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 1,07,088 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है, जो 9.11 प्रतिशत की वृद्धि है।

सोने की कीमतों में तेजी विश्व भर के केन्द्रीय बैंकों की खरीद के चलते: सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सोने की कीमतों में इस समय चल रही तेजी मुख्य रूप से दुनिया के केन्द्रीय बैंकों की ओर से सोने-चांदी की खरीद बढ़ाये जाने के कारण है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि देश में सोने के निवेश और उपभोग मांग को देख कर ऐसा नहीं लगता कि स्थिति चिंता के स्तर पर है फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की बाजार पर निगाह बनी हुई है। श्रीमती सीतारमण आरबीआई के केन्द्रीय निदेशक मंडल की बजट पश्चात बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रही थीं। वित्त मंत्री ने कहा, 'आजकल अधिकांश देश, विशेष रूप से उनके केन्द्रीय बैंक, सोना और चांदी खरीदकर भंडारित कर रहे हैं। जब आप भारतीय उपभोक्ता बाजार की बात करते हैं, तो यह एक प्रवृत्ति के रूप में दिखता है। हर केन्द्रीय बैंक के पास कुछ न कुछ भंडार होता

है, लेकिन हाल के दिनों में आपने देखा होगा कि कई अन्य देशों के केन्द्रीय बैंक भी सोना खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, ' कीमतों में जो उछाल आया है, वह मुख्य रूप से केन्द्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदने और उसे संग्रहित करने के कारण है। श्रीमती सीतारमण ने घरेलू उपभोग के बारे में कहा कि यह हर मौसम और हर त्योहार के साथ जुड़ी एक सामान्य स्थिति रहती है। लेकिन सोनेऔर चांदी की वैश्विक कीमतों में जो असामान्य और सामान्य उतार-चढ़ाव से कहीं अधिक वृद्धि हुई है, उसका प्रभाव हर घरेलू खरीद पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा , ' कीमती धातुओं के मामले में हमारी निर्भरता लगभग पूरी तरह बाहरी स्रोतों पर है। हमारे पास सोने की खोज और उसके खनन का पर्याप्त घरेलू स्रोत नहीं है। इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन ये हमारी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।' वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में सोना हमेशा से परिवारों के लिए एक पसंदीदा निवेश रहा है। घरेलू उपभोग की



उच्च मांग में त्योहारों के मौसम के दौरान मौसमी उछाल भी देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, ' हम इस स्थिति पर नजर रखे

हुए हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह किसी चिंताजनक स्तर तक पहुंचा है। मेरा मानना ​​है कि यह एक निश्चित सीमा से आगे नहीं गया

है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक भी इस पर निगरानी रखे हुए है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस वर्ष अप्रैल- दिसंबर 2025 तक के स्वर्ण आयात के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें एक साल पहले की तुलना में मूल्य के हिसाब से कोई बड़ा फर्क नहीं दिखता। ताजा आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में सोने का आयात 1.83 प्रतिशत 49.39 अरब डॉलर के बराबर रहा जो इससे पिछले साल इसी अवधि में 48.51अरब डॉलर के बराबर था। इस दौरान सोने के आयात की मात्रा 18.29 प्रतिशत घटकर 5,22,380 किलोग्राम रह गई। वाणिज्य मंत्रालय के पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार इसी दौरान चांदी के आयात मूल्य के हिसाब से 128.95 प्रति के उछल के साथ 7.77 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी दौरान 3.39 अरब डॉलर था। इस दौरान चांदी के आयात की मात्रा भी 56.07 प्रतिशत बढ़कर 5727 टन हो गयी।

बीते साल लक्जरी घरों की बिक्री के मामले में गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ा: रिपोर्ट



नई दिल्ली,एजेंसी ।

गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री 2025 में मूल्य के हिसाब से 80 प्रतिशत बढ़कर 24,120 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रियल एस्टेट सलाहकार इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी (आईएसआईआर) और डेटा विश्लेषक कंपनी सीआरई मैट्रिक्स द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) स्थित गुरुग्राम ने 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले मकानों की बिक्री के कुल मूल्य के मामले में मुंबई को पीछे छोड़ दिया। इस श्रेणी में गुरुग्राम में 24,120 करोड़ रुपये के, जबकि

मुंबई में 21,902 करोड़ रुपये के घरों की बिक्री हुई। आंकड़ों के मुताबिक, गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री पिछले कैलेंडर वर्ष में लगभग तीन गुना होकर 1,494 इकाई पर पहुंच गई, जो 2024 में 519 इकाई रही थी। मूल्य के आधार पर बिक्री 2024 के 13,384 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 24,120 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट कहती है, मुंबई पारंपरिक रूप से देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट बाजार रहा है, लेकिन 2025 के दौरान 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की कुल बिक्री के मूल्य के मामले में गुरुग्राम उससे आगे निकल गया। इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी की निदेशक (एशिया) टीना तलवार ने कहा, खास बात यह है कि यह वृद्धि अब केवल पुराने प्रतिष्ठित इलाकों तक सीमित नहीं है। द्वारा का एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फ कोर्स एक्सप्रेसशन रोड जैसे उभरते बाजार सामूहिक रूप से संरचनात्मक विस्तार को गति दे रहे हैं जिसे बुनियादी ढांचे में सुधार, बेहतर परियोजनाओं की पेशकश और बेहतर संपर्क का समर्थन मिल रहा है। सीआरई मैट्रिक्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि पिछले दो साल में लक्जरी खंड में लगभग 10 गुना वृद्धि से खर-िदारों का सतत भरोसा, मजबूत पूंजी प्रवाह और उच्च संपदा वाले व्यक्तियों (एचएनआई) की बढ़ती संख्या का संकेत मिलता है।

कर्मचारियों की मिलीभगत से हरियाणा सरकार के खातों में धोखाधड़ी हुई: आईडीएफसी बैंक

मुंबई, एजेंसी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी. वैद्यनाथन ने सोमवार को कहा कि बैंक के कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की मिलीभगत के जरिये हरियाणा सरकार के खातों से जुड़ी 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। आईड-ीएफसी फर्स्ट बैंक ने रविवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। शेषर बाजार खुलने से पहले निवेश-ियों एवं विश्लेषकों के लिए आयोजित विशेष कॉन्फ्रेंस कॉल में वैद्यनाथन ने कहा कि धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप और किसी भी तरह के दबाव को पहलू से ही पहचानने की अपनी नीतियों के अनुरूप बैंक कुछ प्रावधान करेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, इससे मुनाफे पर बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है। उच्च शुद्ध ब्याज मुनाफा और ऋण



लागत में सुधार से मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, स्वतंत्र आधार पर हम लाभप्रदता के लिहाज से चौथी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे। हरियाणा सरकार ने कथित धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ-साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को भी सरकारी कार्यों के लिए अपनी समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। एयू स्मॉल

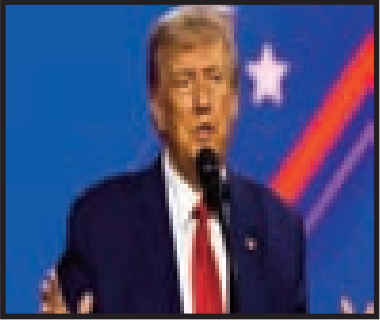
फाइनेंस बैंक ने कथित तौर पर धोखाधड़ी से खाते खोलने के मामले में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया है। वैद्यनाथन ने बताया कि सलाहकार कंपनी केपीएमजी द्वारा किया जा रहा स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट चार से पांच सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमने केपीएमजी को कल (रविवार) ही इसके लिए नियुक्त किया है मेरी

समझ के अनुसार ऐसी प्रक्रियाएं आमतौर पर चार-पांच सप्ताह लेती हैं। प्रबंध निदेशक ने कहा कि बैंक ने करीब 590 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का आकलन किया है, जिसमें 490 करोड़ रुपये मिलान (रिकंसिलिएशन) के बाद पहचाने गए और अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये आंतरिक जांच के दौरान स्वयं चिन्हित किए गए। उन्होंने संकेत दिया कि यह राशि आगे बढ़ने के आसार नहीं है। वैद्यनाथ ने कहा, हमने यह आंकड़ा वर्तमान आकलन के आधार पर जारी किया है । हमें इसमें आगे कोई बड़ा बदलाव होने के आसार नजर नहीं आते। उन्होंने बताया कि वसूली और 35 करोड़ रुपये का कर्मचारी बेइमानी बीमा कवर, बैंक को पूरा वषा को कम कर सकता है। वैद्यनाथन ने इस प्रकरण को जाली भौतिक चेक लेनेदेन के जरिये कर्मचारियों और बाहरी पक्षों की मिलीभगत का मामला बताते हुए कहा कि यह मुद्दा एक इकाई और एक ग्राहक समूह तक सीमित था।

भारतीय निर्यातक अमेरिका को निर्यात पर शुल्क दर को लेकर असमंजस की स्थिति में

नई दिल्ली,एजेंसी ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नए वैश्विक शुल्क लगाने की घोषणा के बाद भारतीय निर्यातकों के बीच 24 फरवरी से प्रभावी शुल्क की दर को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। पिछले सप्ताह अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने भारत समेत करीब 60 देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लगाने वाले ट्रंप के आदेश को अवैध ठहरा दिया था। उसके तत्काल बाद ट्रंप प्रशासन ने भारत सहित सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का आदेश जारी कर दिया। हालांकि, आदेश जारी होने के कुछ घंटों के भीतर ट्रंप ने इस शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक करने की घोषणा कर दी लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है।



इससे निर्यातक समुदाय में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भारतीय निर्यातक संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, वर्तमान आदेश के अनुरूप 24 फरवरी से भारतीय वस्तुओं पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागेगा। लेकिन 15 प्रतिशत शुल्क को लेकर कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है, इसलिए

अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि 150 दिन के बाद की शुल्क व्यवस्था को लेकर भी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। मुंबई स्थित टेक्नोक-पार्ट इंस्टीट्यूट इंडिया के संस्थापक चेयरमैन शरद कुमार सराफ ने कहा, भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका प्रमुख बाजार है और आयात शुल्क को लेकर अस्थिरता होने से कारोबारी धारणा पर असर पड़ता है। शुल्क से जुड़े इस नाटक पर अब पर्दा गिर जाना चाहिए।

यह 10 प्रतिशत शुल्क अमेरिका के मौजूदा एमएफएन (सर्वाधिक तरजीही देश) शुल्क के ऊपर लगेगा। मसलन, अगर किसी उत्पाद पर पांच प्रतिशत एमएफएन शुल्क लगता है, तो अमेरिका में उसके आयात पर प्रभावी शुल्क 15 प्रतिशत हो जाएगा। इससे पहले यह पांच प्रतिशत के साथ 25 प्रतिशत अतिरिक्त यानी कुल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

अमेरिकी शुल्क में बदलाव के प्रभाव पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी : सीतारमण

बदलावों के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर सीतारमण ने कहा कि इस पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था से परे विशेष रूप से व्यापार के मुद्दे पर, वाणिज्य मंत्रालय स्थिति की समीक्षा कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल को यह तय करना होगा कि आगे की वाताओं के लिए वे कब जाएंगे। इसलिए मेरे लिए अभी टिप्पणी करना थोड़ी जल्दबाजी होगी। सुत्रों के अनुसार, भारत और अर्भा-रका ने अंतरिम व्यापार समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार से वाशिंगटन में होने वाली मुख्य वाताकारों की प्रस्तावित बैठक को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव दर्पण जैन इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वाताकार हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केन्द्रीय निदेशक मंडल को यहां संबोधित करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में सीतारमण ने कहा कि भारत व्यापार समझौतों के प्रति स्पष्ट रख रखता है और वह ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, ओमान, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ समझौते कर चुका है। उन्होंने कहा, इसलिए देशों के साथ व्यापार समझौते करने का हमारा प्रयास जारी रहेगा। मंत्री ने साथ ही कहा कि भारत चाहता है कि उसकी अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर व्यापार करने और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने का लाभ मिले।

भारत और फ्रांस ने दोहरा कराधान बचाव करार में किया संशोधन नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और फ्रांस ने दोहरा कराधान बचाव करार (डीटीएसी) में संशोधन किया है। इसके तहत अब पूंजीगत लाभ पर कर कंपनी जहां स्थित है उसके आधार पर लगाया जाएगा। इसके साथ ही सबसे तरजीही देश (एमएफएन) प्रावधान को भी हटा दिया गया है जिससे कराधान व्यवस्था में अधिक स्पष्टता और निश्चितता आएगी। इस संशोधन से पहले जहां लाभों से आय पर कर की दर 10 प्रतिशत यानी एक समान थी, उसमें अब बदलाव किया गया है। कम से कम 10 प्रतिशत पूंजी रखने वालों के लिए पांच प्रतिशत और अन्य सभी मामलों में अब 15 प्रतिशत कर लगेगा। इसमें तकनीकी सेवाओं के शुल्क की परिभाषा को भारत-अमेरिका डीटीएए के अनुरूप किया गया है और स्थायी प्रतिष्ठान (परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट) के दायरे का विस्तार करते हुए सर्विस पीई जोड़ा गया है। इन संशोधन पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की हालिया भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों की ओर से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीड-ीटी) के चेयरपर्सन रवि अग्रवाल और भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने हस्ताक्षर किए। संशोधित नियमों में सूचना के आदान-प्रदान के प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अद्यतन किया गया है और कर वसूली में सहयोग के लिए एक नया अनुच्छेद जोड़ा गया है। सीबीड-ीटी ने कहा कि इससे भारत और फ्रांस के बीच सूचना का निर्बाध आदान-प्रदान संभव होगा और आपसी कर सहयोग मजबूत होगा। किसी कंपनी के शेयरों की बिक्री से उत्पन्न पूंजीगत लाभ पर कराधान का पूरा अधिकार उस देश को होगा जहां कंपनी स्थित है। साथ ही सबसे तरजीही देश (एमएफएन) प्रावधान को हटा दिया गया है जिससे उससे जुड़े सभी विवादों का समाधान होगा। भारत-फ्रांस दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएसी) में संशोधन से जुड़े प्रावधान दोनों देशों के घरेलू कानूनों के तहत आंतरिक प्रक्रियाएं पूरी होने और आपसी सहमति की शर्तों के अधीन प्रभाव में आएंगे। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा, संशोधित नियम भारत-फ्रांस डीटीएसी को नवीनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अद्यतन करता है। यह संशोधन इस प्रकार किया गया है कि भारत और फ्रांस दोनों के हितों के बीच संतुलन बना रहे तथा समझौता वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। सीबीडीटी ने कहा कि यह संशोधन करदाताओं को अधिक कर-निश्चितता प्रदान करेगा और भारत तथा फ्रांस के बीच निवेश, प्रौद्योगिकी एवं पेशेवरों के आवागमन को बढ़-ावा देगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे।

केरल ने विडिण्गम लॉजिस्टिक्स योजना के लिए केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ किए समझौते तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।

केरल सरकार ने विडिण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर 2,000 करोड़ रुपये की लॉजिस्टिक्स योजना शुरू करने के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की तीन कंपनियों के साथ सोमवार को समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए। इस योजना का उद्देश्य राज्य के समुद्री क्षेत्र को मजबूत और आधुनिक बनाना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की विज्ञापित में कहा गया कि इन समझौतों पर मुख्यमंत्री पिनराय विजयन की मौजूदगी में विधानसभा भवन में हस्ताक्षर किए गए। इस योजना का उद्देश्य बंदरगाह को एक व्यापक आर्थिक विकास केंद्र के रूप में विकसित करना है। बंदरगाह का संचालन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर होगा, लेकिन जरूरी ढांचा और निगरानी सरकार के नियंत्रण में ही रहेगी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ह्यविडिण्गम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड ने तीन बड़े केंद्रीय स-ार्वजनिक उपक्रमों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के साथ ये समझौते किए हैं ।

संक्षिप्त समाचार

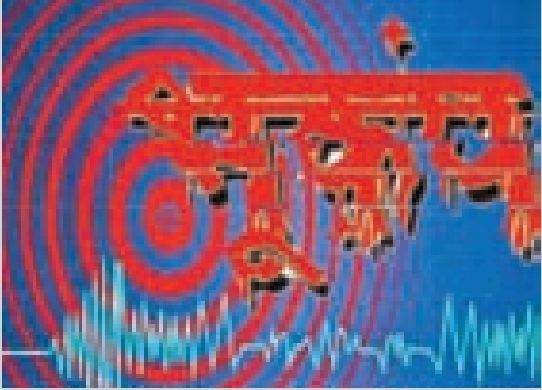
मोहम्मद यूनस ने किसी भी फैसले को लेकर जानकारी नहीं दी, मुझे अंधेरे में रखा ढाका,।

बांग्लादेश में आम चुनाव के बाद नई सरकार गठित होते ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के जज्बात भी बदल गए हैं। इतने दिनों से मोहम्मद युनुस की अगुआई में चल रही अंतरिम सरकार पर उन्होंने एक भी सवाल नहीं उठाया। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होते रहे और भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अब शहाबुद्दीन कह रहे हैं कि मोहम्मद युनुस ने उन्हें अंधेरे में रखा। बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि मोहम्मद युनुस ने ना तो कभी संस्थानों के बीच समन्वय पर ध्यान दिया और ना ही वह किसी भी फैसले को लेकर उन्हें कोई जानकारी देते थे। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि यहां तक कि विदेश दौरे की भी जानकारी उन्हें नहीं होती थी। विदेश नीति से संबंधित कोई भी सूचना राष्ट्रपति तक पहुंचती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-थलग करने के लिए सारी राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे थे। शहाबुद्दीन ने कहा कि सरकार को जरूरी फैसले राष्ट्रपति की सलाह से करने चाहिए लेकिन युनुस खुद ही सारे फैसले कर लेते थे। संविधान कहता है कि विदेश दौरे पर जाते समय राष्ट्रपति को जानकारी देनी चाहिए और लौटने के बाद इसके परिणामों पर चर्चा होनी चाि-हए। कार्यकाल के दौरान वह 14 से 15 बार विदेश गए लेकिन एक बार भी उनकी सहमति नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद युनुस को मुख्य सलाहकार बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसके बाद भी वह मुझे नजरअंदाज ही करते थे। वह मुझसे मिलने कभी आए ही नहीं, ऊपर से मुझे अंधेरे में रखा। उन्होंने कहा कि कतर और कोसोवो से उन्हें आमंत्रण मिला था लेकिन उनके नाम से ही लेटर बनाकर यात्रा रद्द कर दी गई। उन्होंने कहा कि बड़ा ही अजीब है, क्या राष्ट्रपति भी संवैधानिक कार्यों में इतना बिजो हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे जनता के सामने जाने ही नहीं दिया जाता था। मेरी छवि जनता के बीच से बिगाड़ने की कोशिश की गई। ये लोग चाहते थे कि मेरा नाम क-हीं भी सामने ना आए और कोई मुझे पहचाने तक ना। उन्होंने कहा कि मुझे यूनिवर्सिटी के कॉन्वोकेशन तक में नहीं जाने दिया जाता था।

मार-ए-लागो रिसॉर्ट में घुसने की कोशिश करते समय मारा गया शख्स कई दिनों से था लापता वाशिंगटन,।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित ह्यमार-ए-लागो रिसॉर्ट की सुरक्षा में एक बार फिर संघमारी की कोशिश हुई है। हालांकि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने इस खतरे को भांप लिया और एक हथियारबंद घुसपैटिए को मौके पर ही ढेर कर दिया। इस शख्स की पहचान 21 साल के ऑस्टिन टकर मार्टिन के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर ऑस्टिन अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना का रहने वाला था। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुगिल्ल्मी ने कहा कि ऑस्टिन पिछले कई दिनों से लापता था और उसके परि-वार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। जांचकताओं का मानना है कि वह नॉर्थ कैरोलिना से फ्लोरिडा तक का सफर तय कर-के आया था और इस यात्रा के दौरान उसने वह बंदूक खरीदी थी, जिसे लेकर वह रिसॉर्ट में घुसा था बाद में उसकी कार से हथियार का एक खाली बॉक्स भी बरामद हुआ है। रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक यह पूरी घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:30 बजे की है। ऑस्टिन पाम बीच एस्टेट के नॉर्थ गेट से अपनी गाड़ी लेकर उस वक्त अंदर घुस गया, जब वहां से एक दूसरी गाड़ी बाहर निकल रही थी। अंदर घुसते ही उसका सामना दो सीक्रेट सर्विस एजेंट्स और एक पाम बीच काउंटी शेरिफ के डिप्टी से हुआ। ऑस्टिन के पास एक शॉटगन और पेट्रोल का कनस्तर था। पाम बीच काउंटी के एक शख्स ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने उसे बार-बार हथियार और पेट्रोल का डिब्बा नीचे रखने की चेतावनी दी। उसने गैस का डिब्बा तो रख दिया, लेकिन अपनी शॉटगन को फायरिंग पोजीशन में ऊपर उठा लिया। इस्-के जवाब में अधिकारियों ने तुरंत फायरिंग की और उसे वहीं ढेर कर दिया। इस घटना में कोई भी अधिकारी घायल नहीं हुआ है। हमले का मकसद क्या था, यह अभी साफ नहीं है और अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय मिलकर इस मामले की जांच कर रहे हैं। एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने कहा है कि इस मामले की तह तक जाने के लिए सभी जरूरी संसाधन लगा दिए गए हैं और स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। जांच एजेंसियां ऑस्टिन के बैकग्राउंड, डिजिटल फुटप्रिंट और घटना से पहले के कुछ दिनों की उसकी हर गतिविधि को खंगाल रही हैं। अर्टामी जनरल ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की है और वे सुरक्षित हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैथलिन लेविट ने हथियारबंद घुसपैटिए को ढेर करने के लिए सीक्रेट सर्विस की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की तारीफ की।

मलेशिया में आया 7.1 तीव्रता का भूकंप, गहराई ज्यादा होने से नहीं हुआ कोई नुकसान



वाशिंगटन,।

मलेशिया में रविवार-सोमवार को जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिका के सीस्मोलॉजिस्ट के मुताबिक सोमवार सुबह मलेशिया के सबा राज्य के पास बोर्नियो आइलैंड भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.1 मापी गई थी। बताया जा रहा है कि भूकंप का सेंटर कोस्टल स्टेट कैपिटल कोटा किनाबालु से 100 किलोमीटर से दूर था। इसकी गहराई 619.8 किलोमीटर थी, जिसकी वजह से तीव्रता ज्यादा होने के बावजूद जान-माल की कम क्षति होने की संभावना है। बता दें भूकंप भारतीय समयानुसार 10 बजकर 27 मिनट पर आया। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के तुरंत बाद तटीय इलाकों में सुनामी को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। हालांकि, अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूकंप की अत्यधिक गहराई का मतलब है कि सुनामी आने की कोई उम्मीद नहीं है। मलेशियाई मौसम विभाग ने इस भूकंप की तीव्रता को 6.8 मैग्नीट्यूड बताया है विभाग के मुताबिक सबा के पश्चिमी तट और सरवाक राज्य के कई इलाकों में झटके महसूस किए गए विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए है और किसी भी आपात स्थिति के लिए प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है।

ईरान आसमान में बिछाएगा अमेरिका के लिए जाल, रूस से हुई गुप्त डील

तेहरान,।

ईरान और अमेरिका में तनाव के बीच एक तरफ कूटनीति की कोशिशें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ दोनों देशों ने हथियार तान रखे हैं। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जिनेवा में होगा, लेकिन इसी बीच एक ऐसी खबर आई है जो अमेरिका की टेंशन बढ़ा सकती है। ईरान को रूस घातक हथियार देने को तैयार हो गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान और रूस के बीच 500 मिलियन यूरो की एक गुप्त हथियार डील हुई है। इसके तहत रूस तीन साल में 500 ह्यवबॉह्ल लॉन्च यूनिट और 2,500 ह्यएम336ह्ल मिसाइलें देगा। ये सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं, जिन्हें जमीन, समुद्र या हवा से दागा जा

सकता है। बताया जा रहा है कि यह समझौता दिसंबर 2025 में मॉस्को में हुआ था। रूस की स-रकारी हथियार निर्यात कंपनी और ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के बीच यह सौदा तय हुआ। इससे साफ है कि ईरान संभावित टकराव की तैयारी भी साथ-साथ कर रहा है। पिछले साल ईरान के एयर डिफेंस को हमले में नुकसान हुआ था, लेकिन वर्बा मिसाइल एक ऐसा एयर डिफेंस है, जिसे अमेरिका ट्रैक ही नहीं कर सकेगा, इसलिए यह ईरान के लिए मास्टर स्ट्रोक है। वर्बा जिसे 9कै333 सिस्टम के नाम से भी जाना जाता है, रूस का कंधे पर रखकर दागा जाने वाला एयर डिफेंस हथियार है। इसे 2014 में सेना में शामिल किया गया था। यह छोटी लेकिन बेहद घातक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसे एक सैनिक अकेले इस्तेमाल कर सकता है। इसकी मुख्य मिसाइल 9एम336 करीब



500 मीटर से 6.5 किलोमीटर तक के लक्ष्य को निशाना बना सकती है। यह 10 मीटर से लेकर करीब 4.5 किलोमीटर तक उड़ रहे टारगेट को गिरा सकती है यानी अगर कम ऊंचाई पर एफ-16 जैसे जेट भी उ-

ड़ेगे तो वह इसका शिकार हो जाएगा। इसकी रफ्तार 500 से 600 मीटर प्रति सेकंड है, जिससे तेज उड़ते विमान या ड्रोन भी बच नहीं सकते। यही ईरान के दुश्मनों की टेंशन बनेंगे। वर्बा की सबसे बड़ी

ताकत इसका खास श्री-चैनल सीकर सिस्टम है। यह अल्ट्रावायलेट, नियर इंफ्रारेड और मिड इंफ्रारेड तीनों स्पेक्ट्रम में काम करता है। आम मिसाइलें सिर्फ गर्मी पकड़ती हैं, लेकिन वर्बा लक्ष्य की

पहचान ज्यादा सटीक तरीके से और फ्लेयर्स जैसे धोखे से आसानी से नहीं फंसीती। यह फायर-एंड-फॉरगेट सिस्टम है, यानी दागने के बाद ऑपरेटर को उसे गाइड नहीं करना पड़ता। यह सिर्फ फाइटर जेट या हेलीकॉप्टर ही नहीं, बल्कि ड्रोन और क्रूज मिसाइल जैसे छोटे और कम गर्मी छोड़ने वाले टारगेट को भी मार सकती है। करीब 17 किलो वजन होने के कारण इसे एक सैनिक आसानी से कंधे पर लेकर चल सकता है। यही वजह है कि यह गुरिल्ला युद्ध या सीमित संसाधनों वाली सेना के लिए बेहद असरदार हथियार माना जाता है। ईरान जैसे देश के लिए यह खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि हाल के हमलों में उसकी हवाई स-रुक्षा पर सवाल उठे थे। वर्बा जैसे सिस्टम से वह कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन और मिसाइल खतरों से बेहतर तरीके से निपट सकता है।

बड़ा झटका: एक साथ 125 विदेशी कंपनियाँ ने पाकिस्तान से समेट लिया अपना कारोबार



इस्लामाबाद,।

पिछले दिनों पाकिस्तान में एप्पल फोन को असेंबल करने के लिए प्लांट लगाने की चर्चाओं के बीच देश की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान की शीर्ष कॉर्पोरेट नियामक संस्था, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ऑफ पाकिस्तान (एसईसीपी) ने खुलासा किया है कि इस साल 20 जनवरी तक देश में 125 विदेशी कंपनियों ने औपचारिक रूप से अपना परिचालन बंद कर दिया है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

एसईसीपी की रिपोर्ट के अनुसार, ये कंपनियाँ मुख्य रूप से ब्रांच और लियाजन ऑफिस के रूप में काम कर रही थीं। इनका संचालन कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और पेशावर जैसे पाकिस्तान के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों से हो रहा था। इस सूची में शामिल कंपनियों का दावरा काफी व्यापक है, जिसमें ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, बैंकिंग, और विमानन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। बंद होने वाली कंपनियों की फेहरिस्त में दुनिया के कई बड़े नाम शामिल हैं। ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एक्सॉनमोबिल की सहायक इकाई ने अपना बोरिया-बिस्तर स्पेट लिया है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से पैनासोनिक कॉरपोरेशन, विमानन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लुफ्तान्सा जर्मन एयरलाइन्स, और टेक्नोलॉजी फर्म डेल ग्लोबल बीबी जैसी नामचीन कंपनियों ने भी पाकिस्तान से विदा ले ली है। बैंकिंग और इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी स्थिति चिंताजनक है, जहाँ माश्रोक बैंक, टीसी जिरात बैंकासी, हैलीबर्टन लिमिटेड और दुस्मान हैवी इंडस्ट्रीज ने अपना काम बंद कर दिया है। यह पलायन केवल एक या दो देशों तक सीमित नहीं है। सूची में अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, यूएई, जापान, सिंगापुर, कनाडा और फ्रांस सहित कई देशों की फर्में शामिल हैं। यहाँ तक कि अमेरिकन सोयाबीन एक्सोपिशन और पीस विंड्स जापान जैसे अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठनों ने भी अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। एसईसीपी ने स्पष्ट किया है कि इन कंपनियों ने वॉलंटरी विडिंग अप या अन्य कानूनी औपचारिकताओं के जरिए अपना परिचालन समाप्त किया है। हालाँकि, नियामक ने कंपनियों के बाहर निकलने के सटीक कारणों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान में छई आर्थिक अस्थिरता, मुद्रा का तेजी से होता अवमूल्यन, ऊर्जा संकट और राजनीतिक अनिश्चितता ने निवेशकों के भरोसे को बुरी तरह तोड़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों का जाना यह दर्शाता है कि पाकिस्तान में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने की सुगमता केवल कागजों तक सीमित है। हाल के वर्षों में कई अन्य बड़ी कंपनियां भी देश छोड़ चुकी हैं, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति पाकिस्तान सरकार के उन दावों पर भी पानी फेरती नजर आ रही है, जिनमें निवेश के अनुकूल माहौल बनाने की बात कही जा रही थी।

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका खरीदने जा रहा दुनिया का सबसे शक्तिशाली बंकर बस्टर बम

वॉशिंगटन। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ईरान के साथ जारी रस्साकशी के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी सैन्य तैयारियों को लेकर एक बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। अमेरिकी वायुसेना ने अपने बेड़े के सबसे भारी और विनाशकारी बंकर बस्टर बम, जीवीयू-57 मैसिव ऑर्डिंस पेनिट्रेटर (एमओपी) की नई खेप खरीदने का निर्णय लिया है। यह वही घातक हथियार है जिसने पिछले साल ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के भूमिगत परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर दुनिया भर में खलबली मचा दी थी।

ताजा आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अमेरिकी वायुसेना दिग्गज विमानन कंपनी बोइंग के साथ लगभग 100 मिलियन डॉलर के रक्षा सौदे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। विशेष बात यह है कि यह अनुबंध सिंगल सोर्स श्रेणी के तहत सीधे बोइंग को दिया जा रहा है, क्योंकि केवल इसी कंपनी के पास इस विशिष्ट और जटिल बम के निर्माण की तकनीक और बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। वायुसेना का तर्क है कि किसी अन्य वेंडर को इस प्रक्रिया में शामिल करने से उत्पादन में अनावश्यक देरी होगी, जो वर्तमान वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और देश की युद्ध तैयारियों के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

इस बड़े सौदे की पृष्ठभूमि में जून 2025 का वह भीषण हमला है, जिसे ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के नाम से जाना जाता है। इजरायल और ईरान के बीच चले 12 दिनों के युद्ध के बाद अमेरिका ने सीधे हस्तक्षेप करते हुए ईरान के फोर्द और नातांज स्थित परमाणु केंद्रों पर हमला किया था। इस गुप्त मिशन में सात बो-2 स्पिरिट स्टीलथ बमवर्षकों का उपयोग किया गया था, जिनमें से प्रत्येक ने दो-दो एमओपी बम गिराए थे। कुल 14 बमों के उस प्रहार ने जमीन के सैकड़ों फीट नीचे बनी सुरक्षित कंक्रीट की संरचनाओं को भेद दिया था। जीवीयू-57 एमओपी कोई साधारण बम नहीं है। लगभग 30,000 पाउंड (13,600 किलो) वजनी इस बम में 5,740 पाउंड का उच्च-क्षमता वाला वारहेड होता है। यह विशेष रूप से उन ठिकानों के लिए बनाया गया है जिन्हें सामान्य हवाई हमलों से तबाह नहीं किया जा सकता। यह बम मजबूत कंक्रीट की परतों को 200 फीट तक गहराई में जाकर नष्ट करने की क्षमता रखता है। वायुसेना के दस्तावेजों में स्पष्ट किया गया है कि पिछले ऑपरेशन में इस्तेमाल हुए बमों के स्टॉक की भरपाई करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। नई खेप की डिलीवरी जनवरी 2028 से शुरू होने की उम्मीद है, हालांकि सुरक्षा कारणों से खरीदे जाने वाले बमों की सटीक संख्या को गोपनीय रखा गया है। जानकारों का मानना है कि यह खरीद एक अस्थायी रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि अमेरिका अब नेक्स्ट जेनरेशन पेनिट्रेटर विकसित कर रहा है, जो भविष्य के बी-21 रेडर जैसे स्टीलथ विमानों के अनुकूल होगा। वर्तमान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका एक तरफ परमाणु बातचीत का विकल्प खुला रख रहा है, तो दूसरी तरफ सैन्य शक्ति का प्रदर्शन कर वह स्पष्ट संदेश दे रहा है कि समझौता न होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई के लिए उसके तरकश में तौर तैयार है।

व्हाट्सएप लाया नया गुप मैसेज हिस्ट्री फीचर, इन गुप्स के लिए फायदेमंद



सैन फ्रांसिस्को ।

व्हाट्सएप ने अपने यूजर्स के लिए नया फीचर गुप मैसेज हिस्ट्री रोलआउट किया है। यह खास तौर पर उन गुप्स के लिए फायदेमंद है, जहां नए मैबर्स अक्सर जोड़े जाते हैं और उन्हें पहले की बातचीत समझने में दिक्कत होती है। अब तक जब कोई नया मेंबर गुप में आता था, तब वह केवल अपने

जुड़ने के बाद भेजे गए मैसेज ही देख पाता था। इससे गुप की बातचीत का फ्लो टूट जाता था और पुराने मैसेज मैन्युअली फॉर-वर्ड करने पड़ते थे। इस नए फीचर की मदद से नए मेंबर उन मैसेजेस की भी देख सकते हैं, जो उनके आने से पहले भेजे गए थे, जिससे गुप ऑनबोर्डिंग आसान होगी और बार-बार क्या चल रहा है? पूछने

की जरूरत नहीं पड़ेगी। गुप एडमिन तय कर सकते हैं कि नए मेंबर के साथ पुरानी चैट हिस्ट्री शेयर करनी है या नहीं। इसके अलावा, वे यह भी चुन सकते हैं कि कितने मैसेज शेयर करें। श-रूआत के लिए करीब 25 मैसेज का विकल्प है। यह सेटिंग्स प्रोफेशनल, कन्स्युमिटी या पर्सनल गुप्स की जरूरत के अनुसार

कस्टमाइज की जा सकती है। मेटा के स्वामित्व वाला व्हाट्सएप इस फीचर को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड बता रहा है। मतलब, नए मेंबर के साथ साझा किए गए मैसेज केवल गुप के अंदर ही रहेगा और किसी बाहरी यूजर को नहीं दिखेगा। कंपनी ने साफ किया है कि इससे उसके एन्क्रिप्शन सिस्टम में कोई बदलाव नहीं आया। जब भी किसी नए मेंबर के साथ पुरानी मैसेज हिस्ट्री शेयर की जाएगी, गुप के सभी मेंबर्स को नोटिफिकेशन मिलेगा। शेयर किए गए मैसेज में टाइमस्टैम्प और सेंडर की जानकारी भी दिखाई देगी। इसके अलावा, यह हिस्ट्री सामान्य चैट से अलग दिखेगी, ताकि यूजर्स को भ्रम न हो। फीचर का ग्लोबल रोलआउट शुरू हो चुका है और जल्द ही एंड्रॉयड व आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। यूजर्स को सलाह दी गई है कि वे अपना व्हाट्सएप अपडेट रखें ताकि नई सुविधा का लाभ उठा सकें।

मेक्सिको में ड्रग लॉर्ड मैन्चो की मौत के बाद हिंसा, भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

मेक्सिको,।

मेक्सिको में दुनिया के सबसे खूंखार ड्रग माफियाओं में शुमार नेमैसियो रुबेन ओसेगुएरा सर्वेट्स, जिसे एल मैन्चो के नाम से जाना जाता था, की सेना के हाथों मौत के बाद पूरे देश में कोहराम मचा हुआ है। रविवार को सेना द्वारा चलाए गए एक बड़े ऑपरेशन में इस खूंखार अपराधी के मारे जाने की पुष्टि के बाद, उसके समर्थक गुटों और उपद्रवि्यों ने मेक्सिको की सड़कों पर तांडव मचाना शुरू कर दिया है। जलिस्को न्यू जनेरेशन कार्टेल के सरगना की मौत के प्रतिशोध में कई राज्यों में आगजनी, तोड़फोड़ और सड़क जाम की खबरें आ रही हैं। इस बिगड़ते सुरक्षा हालातों को देखते हुए मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह (एडवाइजरी) जारी की है। सोमवार को सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी संदेश में भारतीय दूतावास ने मेक्सिको में मौजूद भारतीयों से अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की है। दूतावास ने विशेष रूप से जलिस्को, तमाउलिपास (रेनोसा सहित),

मिचोआकेन के कुछ हिस्सों, गुएरेरो और गुपुवो लियोन जैसे राज्यों में रहने वाले भारतीयों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। दूतावास ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा ऑपरेशन,

आपराधिक गतिविधियों और बड़े पैमाने पर किए गए सड़क जाम को देखते हुए भारतीय नागरिक अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और भीड़भाड़ वाले इलाकों से पूरी तरह दूर रहें।

सुरक्षा के लिहाज से दूतावास ने कुछ कड़े निर्देश भी साझा किए हैं। भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी ताजा अपडेट के लिए स्थानीय समाचार माध्यमों पर नजर बनाए रखें और स्थानीय प्रश-सन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। आपातकालीन स्थिति में तुरंत 911 डायल करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, दूतावास ने आग्रह किया है कि लोग अपने परिजनों और मित्रों के साथ निरंतर संपर्क में रहें और फोन कॉल या मैसेज के जरिए अपनी लोकेशन और कुशलता की जानकारी साझा करते रहें। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए दूतावास ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है।एल मैन्चो की मौत को मेक्सिको के अपराध जगत के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। वह न केवल न्यू जनेरेशन कार्टेल का लीडर था, बल्कि उसे वर्तमान समय का सबसे

शक्तिशाली ड्रग माफिया माना जाता था। उसकी मौत के बाद उपजे तनाव का असर सार्वजनिक सेवाओं पर भी दिखने लगा है। जलिस्को की राजधानी ग्वाडालहारा में सुरक्षा कारणों से स्कूलों को बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आपराधिक गुटों ने लगभग 12 राज्यों में मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे परिवहन व्यवस्था ठप हो गई है।

इस हिंसा का असर पर्यटन और हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्यूर्टो वालार्टा के आसपास उड़ान सेवाओं में बाधा आई है। कुछ प्रमुख निजी एयरला-इंस ने अस्थायी रूप से अपने ऑपरेशन रोक दिए हैं या विमानों के मार्ग बदल दिए हैं। मेक्सिको सरकार स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना और पुलिस की अतिरिक्त टुक-ड़ियां तैनात कर रही है, लेकिन फिलहाल देश के कई हिस्सों में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।